शनिवार
19 मार्च 2022

पृष्ठ 4

दिनचर्या में शामिल करें एरोबिक एक्सरसाइज, मजबूत होंगी मसल्स

पृष्ठ 5

आशिक अबू के साथ थ्रिलर फिल्म साइन करने की तैयारी में शाहरुख

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 52
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

कविता वह सुरंग है जिसमें से गुजर कर मनुष्य एक विश्व को छोड़ कर दूसरे विश्व में प्रवेश करता है।

– रामधारी सिंह दिनकर

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

नेतृत्व व सरकार गठन पर पीएम के साथ बैठक आज

विशेष संवाददाता

देहरादून। सूबे में नई सरकार के गठन की प्रक्रिया कब शुरू होगी और सरकार का मुखिया कौन होगा? इस पर अभी संशय की स्थिति बनी हुई है। केंद्रीय पर्यवेक्षकों के आज दून न पहुंचने से यह साफ हो गया है कि विधानमंडल दल की बैठक अब कल होगी जिसके बाद ही मुख्यमंत्री के नाम और शपथ ग्रहण की तारीख और स्थल तय हो सकेगा।

पहले खबरें आई थी कि विधानमंडल दल की बैठक 19 को होगी और शपथ ग्रहण 20 को लेकिन फिलहाल इसे टाल दिया गया है। इस बैठक के लिए तमाम विधायक दून आ चुके हैं। इस प्रक्रिया को आगे बढ़ने की वजह क्या है? यह अभी साफ नहीं है। प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक का कहना है कि अभी उनके पास पर्यवेक्षकों के आने की कोई सूचना नहीं है। लेकिन दिल्ली से प्राप्त समाचारों के अनुसार आज शाम इन्हीं तमाम मुद्दों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा व बीएल संतोष एक बैठक करने जा रहे हैं जिसमें

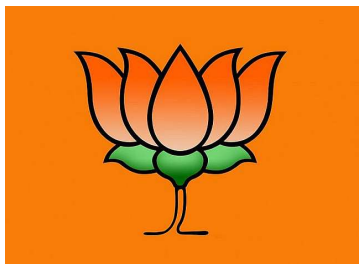

विधानमंडल दल की कल हो सकती है बैठक

मुख्यमंत्री और सरकार के स्वरूप को फाइनल किया जाएगा और कल सुबह केंद्रीय पर्यवेक्षक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मीनाक्षी लेखी देहरादून पहुंचेंगे। राजधानी के एक होटल में विधानमंडल दल की बैठक होने की बात कही जा रही है।

दरअसल कार्यवाहक सीएम पुष्कर सिंह धामी के चुनाव हार जाने के कारण बनी नई स्थितियों में भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व नए मुख्यमंत्री और नई सरकार के गठन करने में 2024 के आम चुनाव को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखे हुए हैं। उन्हें एक ऐसा व्यक्ति और सरकार चाहिए जो 2024 के लोकसभा चुनाव में जीत

भव्य होगा शपथ ग्रहण समारोह

देहरादून। उत्तराखंड भाजपा सरकार का इस बार शपथ ग्रहण समारोह अत्यंत भव्य हो सकता है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शपथ ग्रहण समारोह में इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृह मंत्री अमित शाह के

●मोदी व शाह हो सकते हैं शामिल

साथ-साथ कई अन्य केंद्रीय मंत्रियों के भी शामिल होने की संभावनाएं है। चार राज्यों में मिली जीत के बाद उत्तर प्रदेश सहित सभी राज्यों में शपथ ग्रहण की तैयारियां चल रही है यूपी में 25 मार्च व उत्तराखंड में 22 मार्च को शपथ ग्रहण की तारीख से रहेंगी।

की गारंटी और राजनीतिक स्थिरता बनाए रख सके और तेजी से सरकारी योजनाओं को धरातल पर उतारकर सरकार का संदेश जनता तक पहुंचा सके। राज्य में धामी की हार के बाद जिस तरह से

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

बेटे ने की पिता की हत्या, गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। घरेलू विवाद में बेटे द्वारा पिता की पीट-पीट कर हत्या किये जाने का मामला सामने आया है। सूचना मिलने पर पुलिस ने हत्यारोपी बेटे को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार उधम सिंह नगर की खटीमा कोतवाली क्षेत्र के श्रीपुर बीछवा गांव में एक बेटे ने अपने बाप को घरेलू विवाद में पीट-पीटकर जान से मार दिया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने हत्यारोपी बेटे को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बताया जा रहा है कि लक्ष्मण सिंह ने घरेलू विवाद में अपने पिता धर्म सिंह को पीट-पीटकर बुरी तरह घायल कर दिया। जिसके बाद घायल पिता की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने पिता की हत्या के आरोप में लक्ष्मण सिंह को गिरफ्तार कर लिया है।

'फुस्स' हुआ पाकिस्तानी मिसाइल का परीक्षण

नई दिल्ली । भारत की गलती से गिरी मिसाइल का जवाब देने का पाकिस्तानी सेना का ख्वाब भी अधूरा ही रह गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सिंध के जमशोरो में पाकिस्तान का मिसाइल प्रशिक्षण बुरी तरह से असफल रहा। परीक्षण के लिए दागी गई मिसाइल बीच आसमान में ही फुस्स हो गई

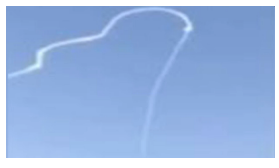

जमीन पर आ गिरी। जाहिर है इस नाकाम मिसाइल प्रशिक्षण से भी इमरान खान की जमकर किरकिरी हो रही है। पाकिस्तान में सिंध के जमशोरो के आसमान में स्थानीय लोगों ने गुरुवार दोपहर करीब १२ बजे एक अज्ञात वस्तु देखी, जो बाद में पता चला कि एक मिसाइल थी। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि पाकिस्तान का मिसाइल परीक्षण सुबह ११ बजे निर्धारित किया गया था। हालांकि ट्रांसपोर्टर इरेक्टर लॉन्चर में खराबी की वजह से परीक्षण एक घंटे के लिए स्थगित कर दिया गया। अंततरू दोपहर १२ बजे मिसाइल का परीक्षण किया गया, जो फुसफुसा पटाखा ही साबित हुआ। प्रक्षेपण के कुछ सेकंड बाद ही मिसाइल रास्ते से भटक गई।

पाकिस्तान के कुछ समाचार चैनलों ने भी इस नाकाम मिसाइल परीक्षण की घटना को कवर किया, लेकिन इमरान सरकार के तमाम अधिकारी इस मामले पर चुप्पी साधे हैं। स्थानीय प्रशासन ने नाकाम मिसाइल परीक्षण का खंडन करते हुए कहा कि यह एक नियमित मोर्टार ट्रेसर राउंड था जिसे पास की सीमा से दागा गया था।

देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना महामारी के 2075 नए दर्ज, संक्रमण से 71 लोगों की मौत

नई दिल्ली । देश में कोरोना का कहर अब कम होता दिखाई दे रहा है। महामारी के नए मामलों में आज १८ फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। देश में पिछले २४ घंटे में कोविड-१९ के २,०७५ नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की संख्या बढ़कर ४,३०,०६,०८० हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर २७,८०२ रह गई है।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शनिवार सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में ७१ और लोगों की संक्रमण से मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर ५,१६,३५२ हो गई। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक दैनिक संक्रमण दर ०.५६ प्रतिशत और

साप्ताहिक संक्रमण दर ०.४१ प्रतिशत है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार पिछले २४ घंटे में ३,७०,५१४ नमूनों की कोविड-१९ संबंधी जांच की गई और अब तक ७८.२२ करोड़ से अधिक नमूनों की जांच हुई है। देश में कोविड-१९ के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर २७,८०२ रह गई है, जो कुल मामलों का ०.०६ प्रतिशत है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार पिछले २४ घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में १,३७९ की कमी दर्ज की गई है। स्वस्थ होने की दर ९८.७३ प्रतिशत है। संक्रमण के कुल मामले १६ सितंबर २०२० को ५० लाख, २८ सितंबर २०२० को ६० लाख, ११ अक्टूबर २०२० को ७० लाख, २९ अक्टूबर २०२० को ८० लाख और २० नवंबर को ९० लाख के पार चले गए थे। देश में १९ दिसंबर २०२० को ये मामले एक करोड़ के पार हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ के पार और २३ जून २०२१ को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल २६ जनवरी को मामले चार करोड़ के पार पहुंच गए थे।

दून वैली मेल

संपादकीय

राजनीति में यह कैसा खेला होवे?

वर्तमान दौर की राजनीति की दशा और दिशा को समझना मुश्किल ही नहीं असंभव हो गया है। खबर है कि पूर्वांचल की राजनीति में अपना थोड़ा-बहुत दखल रखने वाले ओमप्रकाश राजभर बीते दिनों भाजपा नेता अमित शाह और धर्मेंद्र प्रधान से मिले। चर्चा है कि वह फिर भाजपा के साथ आना चाहते हैं। चुनाव के दौरान स्वामी प्रसाद मौर्य और राजभर दो ऐसे नेता थे जो भाजपा गठबंधन से नाता तोड़कर सपा के साथ आ गए थे। चुनावी मंचों से इन नेताओं ने भाजपा और उसके नेताओं तथा सरकार के खिलाफ जितना कुछ भला बुरा कहा उसे सुनकर हर किसी को यही लगा कि जैसे इनके साथ भाजपा ने इतना दुर्व्यवहार और अत्याचार किया है कि उससे दुखी होकर उन्होंने भाजपा का साथ छोड़ा है। जब यह दलित और पिछड़े समाज के नेता सपा के साथ खड़े दिखे तो सपा नेताओं को यही लगा कि अब इनके आने से उसकी ताकत कई गुना बढ़ गई है और उन्हें चुनाव जीतने से कोई नहीं रोक पाएगा। लेकिन चुनावी नतीजों ने सपा का भ्रम तोड़ दिया वहीं राजभर और मौर्य जैसे नेताओं की भी गलतफहमी दूर कर दी। उन्होंने भी यही सोचा था कि भाजपा के साथ रहकर 5 साल सत्ता का मजा ले लिया अब सपा की सरकार के मजे लेते हैं। लेकिन उनका आकलन गलत साबित हो गया। अभी यूपी में नई सरकार का गठन भी नहीं हुआ है कि राजभर फिर भाजपा की शरण में पहुंच गए हैं। खबर है कि वह फिर सरकार का हिस्सा बनने वाले हैं। भाजपा ऐसे नेताओं को क्यों अपने साथ रखना चाहती है जिनके राजनीतिक चाल चरित्र को वह अच्छे से जानती और समझती है? यह सवाल किसी के मन में भी उठ सकता है लेकिन इस सवाल का जवाब है 2024 का लोकसभा चुनाव। भाजपा को राजभर जैसे नेताओं के जाने के बाद पूर्वांचल में जो नुकसान हुआ है वह भले ही इतना बड़ा न सही जो उसे सत्ता से बाहर धकेल सकता लेकिन नुकसान हुआ जरूर है। भाजपा नहीं चाहती कि वैसा ही नुकसान 2024 के चुनाव में भी उसे हो यही कारण है कि वह इतना कुछ होने के बाद भी उनको अपने साथ रखना चाहती है। मौर्य और राजभर जैसे नेताओं के राजनीति का भी उतना ही मतलब है। इससे आगे की बातों से उन्हें भी कुछ लेना देना नहीं है। यूपी में बीते एक दशक की राजनीति में चुनावी गठबंधनों का जो खेला हो रहा है उसने सपा-बसपा, कांग्रेस, राष्ट्रीय लोक दल सहित इन तमाम अन्य क्षेत्रीय दलों को कहीं का भी नहीं छोड़ा है। अगर हम अन्य दूसरे राज्यों की राजनीति की बात भी करे तो सभी जगह कमोबेश वैसे ही हालात हैं। दलबदल और बेमेल गठबंधनों तथा सत्ता के लिए जोड़-तोड़ की राजनीति ने सबसे ज्यादा नुकसान लोकतंत्र को पहुंचाया है। जनता जिसे सत्ता से दूर रखना चाहती है वह तमाम तरह के हथकंडे अपना कर सत्ता में जा बैठते हैं और जनता ठगी सी देखती रह जाती है कि उसने तो ऐसा जनादेश नहीं दिया। आज की राजनीति का सच भी यही है।

सेना को कृषि व बागवानी की जमीन देने का विरोध

विशेष संवाददाता

पिथौरागढ़। चीन सीमा क्षेत्र में चार स्थानों में सेना तथा पैरामिलिट्री द्वारा उपयोगी 66 एकड़ भूमि मांगने पर पंचायत प्रतिनिधि भड़क गए है। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने आज जिलाधिकारी पिथौरागढ़ को पत्र लिखकर कृषि तथा बागवानी की जमीन सेना तथा पैरामिलिट्री को जबरन दिए जाने का सीमा क्षेत्र में विरोध करने की चेतावनी दे दी है।

उन्होने कहा कि हम सेना व पैरामिलिट्री का मनोबल बढ़ाने के लिए गैर कृषि एवं बागवानी की भूमि देने को तैयार है। इसके लिए सेना, पैरामिलिट्री तथा प्रशासन के साथ त्रिस्तरीय पंचायत के प्रतिनिधियों की बैठक बुलाकर शंका का समाधान किया जाय।

भारत-चीन सीमा पर चीन की ओर से लगातार बढ़ रही गतिविधियों को देखते हुए भारतीय सेना ने मुनस्यारी से लगी चीन सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद करने के लिए 66 एकड़ भूमि की मांग का प्रस्ताव रखा है। इस बात की भनक लगते ही जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने आज जिला अधिकारी पिथौरागढ़ को पत्र लिखकर सीमा क्षेत्र के लोगों की मंशा से अवगत करा दिया है। प्रशासन ने पत्र मिलने के बाद भूमि खोजने का काम शुरू कर दिया है। माना जा रहा है कि इस सीमा पर भारतीय सेना अपनी चौकसी को और अधिक मजबूत करने वाली है।

लंबे समय से चीन की ओर से इन सीमाओं पर लगातार अपनी गतिविधियां बढ़ाई जा रही है। इस बीच कुमाऊं स्काउट धारचूला के स्टेशन स्टाफ ऑफिसर द्वारा 14 अगस्त 2021 को एक पत्र उप जिलाधिकारी मुनस्यारी को दिया गया है। इस पत्र में भारतीय सेना के लिए मुनस्यारी में 20 एकड़, खालिया टॉप मुनस्यारी में 20 एकड़, बुगडियार में 20 एकड़, रिलकोट में 5 एकड़, मिलम में 15 एकड़, दुंग में 6 एकड़ जमीन की मांग का प्रस्ताव दिया गया है।

भारतीय सेना के इस पत्र से अनुमान लगाया जा रहा है सीमा क्षेत्र में अपनी छावनी या तथा चौकियों को विकसित करना चाह रही है। अभी तक यह सीमा भारत तिब्बत सीमा पुलिस की जिम्मेदारी में है। सीमा क्षेत्र में भारतीय सेना का आना जाना लगा रहता है। चीन सीमा पर हुई घटना के बाद यहां भारतीय सेना की आवाजाही बढ़ गई थी।

मुनस्यारी की बलाती फार्म में भारतीय सेना के द्वारा अस्थाई पोस्ट का निर्माण भी किया गया है। इसको लेकर भी सीमांत क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने आपत्ति जताई है। पेयजल आपूर्ति के स्रोतों में शौचालय निर्माण कर दिया गया है। मर्तोलिया ने कहा कि इस तरह की सेना तथा पैरामिलिट्री की मनमानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कहा कि सेना तथा पैरामिलिट्री के साथ जनता का विरोध न बढ़े इसके लिए स्थानीय प्रशासन को बातचीत का रास्ता निकाल कर हर प्रकार के शंका का समाधान निकालना चाहिए।

शराब के साथ दो महिलाएं गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ दो महिलाओं को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार त्यूनी पुलिस ने झूला पुल के पास दो महिलाओं को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उनको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख उन्होंने भागने का प्रयास किया लेकिन पुलिस ने दोनों को रोककर उनकी तलाशी ली तो उनके कब्जे से 12 बोतल शराब की बरामद कर ली। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम अनिता पत्नी रमन निवासी सरनाल पानी त्यूनी व लता पत्नी गणेश निवासी त्यूनी बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

21 से चलेगा स्वस्थ्य बालक, बालिका स्पर्धा अभियान

संवाददाता

देहरादून। भाजपा महानगर द्वारा 21 मार्च से स्वस्थ्य बालक, बालिका स्पर्धा अभियान चलाया जायेगा।

आज यहां भाजपा महानगर ने महानगर अध्यक्ष सीताराम भट्ट की अध्यक्षता में राष्ट्रीय स्वास्थ्य स्वयं सेवक अभियान की बैठक हुई। बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियान के संयोजक डाक्टर उदय सिह पुनडीर ने कहा कि पार्टी 21 मार्च से 27 मार्च तक एक सप्ताह का अभियान चलाया जाएगा जिसमें प्रत्येक बूथ पर आँगनबाड़ी से सम्पर्क कर अपने क्षेत्र के छोटे बच्चों का रजिस्ट्रेशन कराया जाएगा। देश में फैले कुपोषण अभिशाप से मुक्त करने में सहयोग करेगे। अभियान के सह संयोजक और महानगर महामंत्री रतन सिह चौहान ने बताया कि बैठक में मंडल अध्यक्ष, स्वास्थ्य अभियान के मंडल संयोजक, मंडल महामंत्री, महिला मोर्चा की अध्यक्ष श्रीमती कमली भट्ट महामंत्री सुमन सिह अनुराग भाटिया , विनोद , विजय भट्ट, विजय थापा , संदीप मुखर्जी, विजेन्दर थपलियाल, सुमित पांडे आदि उपस्थित रहे।

भाजपा मुख्यमंत्री व कांग्रेस नेता विपक्ष के चुनाव में उलझी

❑कांग्रेस में नेता विपक्ष पर सिर फुटव्वल शुरु

विशेष संवाददाता

देहरादून। चुनाव परिणाम आने के बाद भाजपा जहां मुख्यमंत्री के चयन में उलझी हुई है वही कांग्रेस में भी नेता विपक्ष की जंग शुरू हो चुकी है।

यह सच है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की हार के बाद भाजपा 47 सीटें जीतने के बाद भी उलझ गई है। स्थिति एक अनार सौ बीमार वाली है जो 47 विधायक चुनकर आए हैं उनमें अगर वरिष्ठता को प्राथमिकता दी जाए तो कई विधायक ऐसे हैं जो तीन और चार बार चुनाव जीत चुके हैं। चुनाव में क्षेत्रीय और जातीय संतुलन भी एक पैमाना है तथा विधायकों की उम्र और उनका तजुर्बा भी। अभी तक राज्य में कोई अल्पसंख्यक, पिछड़ा या महिला मुख्यमंत्री नहीं रहा है। प्राथमिकताएं अनेक हैं संभावनाएं भी अनेक हैं और दावेदार की तो जैसे भरमार है। इसलिए भाजपा के लिए मुख्यमंत्री पर फैसला कर पाना मुश्किल हो रहा है। ऐसा सर्वमान्य, कर्मठ और ईमानदार चेहरा जिसके चयन पर भाजपा में कोई क्लेश न हो, को ढूंढ पाना आसान नहीं है। यही कारण है कि विकल्प तमाम है लेकिन सबसे बेहतरीन कौन है यह सवाल सबसे अहम हो गया है। फैसला 22 से पहले करना है यह भी तय है क्योंकि 23 मार्च को सरकार गठन की अंतिम तिथि है। देखना है अब हाईकमान क्या फैसला लेता है।

उधर कांग्रेस की स्थिति भी अजीबोगरीब है जब तक सरकार बनने की संभावनाएं थी तब तक भावी सीएम पर सर फुटव्वल हो रहा था अब जब कांग्रेस 19 पर सिमट गई तो नेता विपक्ष पर खींचतान शुरू हो गई। हरीश रावत समर्थक अब प्रीतम सिंह से यह पद भी झटकने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। कई नेता इस जुगाड़ में है कि उन्हें नेता विपक्ष बनाया जाए, वह धमकियां दे रहे हैं। सवाल यह है कि न हार का मलाल है न पार्टी की स्थिति पर अफसोस बस कुर्ता घसीटन जारी है।

यत्र शूरासस्तन्वो वितन्वते प्रिया शर्म पितघ्णाम।
अध स्मा यच्छ तन्वे तने च छर्दिरचित्तं यावय द्वेषः।।

(ऋग्वेद ६-४६-१२)

हमें ऐसा प्रिय घर प्रदान करो जहां हम अपने वीर पूर्वजों का मान बढ़ा सकें। जहां हम अपने पूर्वजों की उपलब्धियों को ओर अधिक विस्तार दे सकें। जहां हम चिंताओं से मुक्त हो जाएं। जहां हम सुरक्षित रहें और किसी से द्वेष ना करें।

Provide us with such a dear home where we can honour our brave ancestors. Where we can give expension to the achievements of our ancestors. Where we can be free from worries. Where we stay safe and don't hate anyone.
(Rig Veda 6-46-12)

गुमशुदा बेटे को खोजकर पुलिस ने दिया परिजनों को होली का बेहतरीन उपहार

हमारे संवाददाता

चमोली। होली के दौरान एक नाबालिग युवक के गुम हो जाने से परिजन सकते में आ गये। जिसकी सूचना पुलिस में दर्ज करायी गयी। पुलिस द्वारा मामले की गम्भीरता को देखते हुए कड़ी मशक्कत कर गुमशुदा को मात्र चौबीस घंटो के भीतर ही बरामद कर उसे परिजनों की सुपुर्दगी में दे दिया गया है। जिसे परिजनों द्वारा पुलिस की ओर से होली का बेहतरीन तोहफा बताया गया है। जानकारी के अनुसार बीते रोज महेन्द्र विष्ट ने गोपेश्वर थाने में आकर अपने नाबालिग पुत्र सोनू विष्ट (काल्पनिक नाम) की गुमशुदगी दर्ज करायी गयी थी। जिसमें उनके द्धारा बताया गया कि उनका पुत्र बिना बताए कहीं चला गया है, जिसकी काफी खोजबीन के बाद भी वह मिल नही रहा है। परिजन इस बात से चिंतित थे कि कहीं वह कोई गलत कदम न उठा ले। होली के त्यौहार के मद्देनजर मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर गुमशुदा नाबालिग की तलाश शुरू कर दी गयी। जिसे पुलिस ने मात्र 24 घटों के भीतर बरामद कर उसे परिजनों के सुपुर्द गर दिया गया है।

बालश्रम में दो दुकानदारों के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। बाल श्रम कराने पर पुलिस ने दो दुकानदारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बचपन बचाओं आंदोलन के समन्वय इन्द्रानगर कालोनी निवासी सुरेश उनियाल ने मोती बाजार निवासी कमल जयसवाल व डिस्पेंसरी रोड निवासी विक्की के खिलाफ अपनी दुकान में छोटे बच्चों से काम कराने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बम-गोलों और बारुदी सुरंगों को निष्क्रिय करने में लगेंगे सालों: यूक्रेन

कीव। यूक्रेन के गृह मंत्री डेनिस मोनास्तिरिस्की ने कहा कि मलबे के नीचे दबे ऐसे हथियार एक वास्तविक खतरा हैं। इन्हें निष्क्रिय करने में महीनों नहीं, वर्षों लगेंगे।

यूक्रेन के गृह मंत्री डेनिस मोनास्तिरिस्की ने शुक्रवार को कहा कि रूसी बलों द्वारा देश में बरसाये गए उन बम–गोले और बरूदी सुरंगों को निष्क्रिय करने में सालों लगेंगे, जो फट नहीं पाए हैं। घिर चुके कीव में श्एसोसिएटेड प्रेसश से बातचीत में मोनास्तिरिस्की ने कहा कि युद्ध खत्म होने के बाद इस भारी–भरकम काम को अंजाम देने के लिए यूक्रेन को पश्चिमी देशों की मदद की जरूरत पड़ेगी।

उन्होंने कहा कि यूक्रेन पर बड़ी संख्या में बम–गोले बरसाए गए हैं। इनमें से कई में विस्फोट नहीं हो सका था। मलबे के नीचे दबे ऐसे हथियार एक वास्तविक खतरा हैं। इन्हें निष्क्रिय करने में महीनों नहीं, वर्षों लगेंगे। मोनास्तिरिस्की के मुताबिक बिना फटे रूसी विस्फोटकों के अलावा ऐसी बारूदी सुरंगें भी खतरे का सबब हैं जिन्हें यूक्रेनी बलों ने पुलों, हवाईअड्डों और अन्य अहम बुनियादी ढांचों को रूसी नियंत्रण से बचाने के लिए बिछाया है।

मोनास्तिरिस्की ने कहा कि हम अकेले दम पर उस पूरे क्षेत्र में बिछी बारूदी सुरंगों को हटाने में सक्षम नहीं होंगे इसलिए मैंने अमेरिका और यूरोपीय संघ के अपने सहयोगियों और अंतरराष्ट्रीय भागीदारों से युद्ध प्रभावित इलाकों में ऐसे विस्फोटकों को निष्क्रिय करने के लिए विशेषज्ञों का समूह तैयार करने की अपील की है।

मोनास्तिरिस्की के अनुसार रूसी बलों द्वारा लगातार जारी हमलों से लगी आग से निपटना भी एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने बताया कि रूसी गोलीबारी और उससे लगी आग पर काबू पाने के लिए कर्मचारियों और संसाधनों की भारी कमी है।

चीन समेत दुनिया के कई देशों में बढ़ रहे हैं कोरोना के नए मामले!

बीजिंग। चीन समेत दुनिया के कई देशों में बढ़ते कोरोना संक्रमण ने लोगों को एक बार फिर से डराना शुरू कर दिया है। लोगों से सावधानी बरतने की अपील की जा रही है। हाल ही में कोराना से दो मरीजों की मौत होने का मामला सामने आया है। चीन में कोरोना वायरस के मामले बढ़ने के बाद विश्व के तमाम देशों की चिंता एक बार फिर बढ़ गई है। आपको बता दें कि चीन में कोरोना महामारी एक बार फिर तेजी से अपने पैर पसार रही है।

यहां फरवरी २०२० के बाद सबसे बुरी स्थिति बताई जा रही है। चीन में कुछ दिन से ३ हजार से ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। इसके अलावा एक और डराने वाली बात यह है कि वैश्विक दैनिक मामलों में १२ फीसदी की वृद्धी हो गई है। यानी की कोरोना तेजी के साथ देशों में फैल रहा है।

वैश्विक स्तर पर कोविड के दैनिक मामलों की औसत संख्या १२ फीसदी से बढ़कर १८ लाख हो गई है। इस हफ्ते फ्रांस में कोरोना के मामले में ३५ फीसदी की वृद्धी हुई है। जबकि इटली और ब्रिटेन में प्रत्येक मामले में ४२ फीसदी की वृद्धी हुई है।

चीनी राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने शुक्रवार को कहा कि चीन में गुरुवार को ४,२६२ कोरोना के मामले सामने आये हैं। वहीं कोरोना ने सक्रिय मामलों की संख्या १६, ६७४ बताईं है। जिनका इलाज चल रहा है। आपको बता दें कि कोरोना पहली बार वुहान शहर में सामने आया था। चीन में अबतक वायरस से ४,६३६ मौतें हुई है। अमेरिका में अभी भी कोविड के दो करोड़ से ज्यादा एक्टिव मरीज हैं। हालांकि वहां भी पिछले कुछ हफ्तों में कोरोना के दैनिक मामलों में कमी महसूस की गई है। लेकिन खतरा अभी भी बरकरार है। यूरोपीय देशों में भी कोविड के मामलों में दैनिक बढ़ोतरी देखी गई है। बीते १८ मार्च को अकेले जर्मनी में करीब दो लाख नये केस दर्ज हुये हैं। यहां कुल ३५ लाख एक्टिव केस सामने आया हूं। इंग्लैंड, नीदरलैंड, स्विटजरलैंड और इटली में नये मामलों का बढ़ना जारी है। आपको बता दें कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बताया कि दुनियाभर में डेल्टाक्रान के मामले बढ़ने लगे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार डेल्टाक्रान के मामले दुनिया में नई लहर को जन्म दे सकते हैं।

त्यौहारों पर क्यों आती है नकली पनीर व मावे की याद?

संवाददाता

देहरादून। खाद्य विभाग को त्यौहारों पर ही नकली मावे व पनीर की याद क्यों आती है इस बारे में सभी सोचते हैं लेकिन जवाब किसी के पास नही होता। यहां तक की विभागीय अधिकारी भी इस बात को शायद ही जानते हों। लेकिन यह एक कडवा सच है।

उल्लेखनीय है कि बाजार में नकली मावा व पनीर धडल्ले से बिक रहा है। इसके बारे में जहां आमजन को पता है तो सरकारी तंत्र भी इससे अनभिज्ञ नहीं है। यहीं नहीं हजारों लीटर सिंथैटिक दूध की सप्लाई भी शहर में प्रत्येक दिन होती है। लेकिन इस ओर किसी का ध्यान नहीं जाता है या फिर यह कहा जाये कि कोई इस ओर ध्यान देना ही नही चाहता है? सरकार ने जबकि इसके लिए एक विभाग नियुक्त किया है और उसमें अधिकारियों व कर्मचारियों की एक लम्बी फौज भी है जोकि लाखों रूपये की पगार लेते हैं इस विभाग के बारे में आमजन को मात्र इतना ही पता है कि यह एक विभाग है तो लेकिन इसमें काम करने वाले कैसे दिखते है इसके बारे में कोई नहीं जानता है। क्योंकि यह विभाग आमजन से कोई सरोकार नहीं रखता है। हां एक बात है कि जैसे ही कोई त्यौहार आने लगता है तो इस विभाग की आंख खुल जाती है। दिवाली हो या फिर होली हो इस दौरान इस कुम्भकरणी विभाग जाग जाता है। त्यौहार के समय इस विभाग को एकदम नकली पनीर व मावे की याद आ जाती है। त्यौहार के समय ही इनका पता चलता है कि शहर में नकली मावा व पनीर बेचा जा रहा है और एक टीम शहर में निकल पडती है। यही नहीं यह टीम कुन्तलों के हिसाब से नकली मावा व पनीर पकड भी लेती है और उसे नष्ट भी किया जाता है। यहां यह सोचने वाली बात है कि क्या नकली मावा व पनीर त्यौहारों में ही इस्तेमाल करना गलत है और पूरे साल उसके खा सकते हैं? ऐसा क्यों होता है कि त्यौहार के समय ही यह नकली पनीर व मावा खाना प्रतिबंधित होता है और पूरे साल इसको आमजन खूब खाता है जिसका सबको पता होता है लेकिन कार्यवाही नहीं की जाती है? यह अपने आपमें एक बडा विषय बन जाता है कि पूरे साल जो पनीर व मावा जनता खाती है वह पनीर व मावा त्यौहार के दिनों में ही क्यों नकली व सिथैटिक साबित होता है इससे पूर्व यह बाजार में क्यों दिखायी नहीं देता? ऐसा क्या है कि त्यौहार के दिनों में विभाग को इसकी सूचना मिलती है उससे पहले वह सूचना तंत्र कहां चला जाता है इसके बारे में कोई कुछ बताने को तैयार नहीं है। सरकार व शासन को इस बारे में सोचना होगा कि जो पनीर व मावा पूरे साल खाया जाता है वह शुद्ध होता है या फिर त्यौहार के समय में वह नकली कैसे साबित हो जाता है। इसके बारे में उक्त विभाग के मापदण्ड को भी देखना होगा कि विभाग का मापदण्ड क्या है और पूरे साल वह कहां सो रहा होता है?

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर बाइक सवार की मौत

संवाददाता

देहरादून। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम औरंगाबाद थाना सिडकुल हरिद्वार निवासी सेवाराम ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका बेटा सतीश कुमार अपनी मोटरसाईकिल से देहरादून से हरिद्वार की तरफ आ रहा था जब वह लालतप्पड पेट्रोल पम्प के पास पहुंचा तभी अज्ञात वाहन ने उसको अपनी चपेट में ले लिया। जिससे उसका बेटा वहीं गिर गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

यूक्रेन के खिलाफ युद्ध रूस को दशकों पीछे कर देगा: जेलेंस्की

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन के खिलाफ युद्ध रूस को दशकों पीछे ले जाएगा – ६० के दशक की त्रासदियों जैसे हालात हो जाएंगे। उक्रेइंस्का प्रावदा के मुताबिक, जेलेंस्की ने कहा, मुझे विश्वास है कि हम पर हमला करके वे पिछले २५ वर्षो में रूसी समाज ने जो कुछ हासिल किया है, उसे नष्ट कर देंगे और वे वहीं लौट आएंगे, जहां उन्होंने एक बार उठना शुरू किया था – हालात ६० के दशक की त्रासदियों जैसे हो जाएंगे।

उन्होंने एक वीडियो संबोधन में कहा, केवल स्वतंत्रता के बिना, लाखों लोगों की अपने राज्य के विकास के लिए काम करने की रचनात्मक इच्छा के बिना। यह रूस के लिए यूक्रेन के खिलाफ युद्ध की कीमत होगी। यह उनके लिए एक गिरावट होगी, एक दर्दनाक गिरावट होगी। और वे महसूस करेंगे – टेलीविजन प्रचारकों की श्लोगों की अफीमश के बावजूद। इससे पहले, यूक्रेन के सशस्त्र बलों ने कहा था कि रूसी सैनिकों ने मिसाइलों के अपने पूरे भंडार और कुछ प्रकार के गोला–बारूद का इस्तेमाल किया है।

यूक्रेन के सशस्त्र बलों के अनुसार, रूसी हथियार उद्योग में काम करने वाली कई कंपनियों को चौबीसों घंटे मोड में बदल दिया गया है। लगभग सभी मिसाइल गोला–बारूद और कुछ प्रकार के गोला–बारूद की खपत के कारण, सैन्य–राजनीतिक नेतृत्व ने रूसी हथियार उद्योग में काम करने वाली सभी कंपनियों को स्थानांतरित करने का फैसला किया है और कैलिबर क्रूज मिसाइलों और गोला–बारूद का उत्पादन टॉरनेडो मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम के लिए किया है।

होली स्वस्थ रखने का अचूक पर्व है: विमलेश

संवाददाता

देहरादून। दर्शनाचार्या विमलेश बंसल ने होली का वैदिक स्वरुप बतलाते हुए कहा की होली नाम संस्कृत के होलक से होला और होला से होली इस तरह बना है जो जन सामान्य की बोली बन गया है यह स्वास्थ रखने का अचूक पर्व है।

आज यहां केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 'होली का वैदिक स्वरूप' पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल मे 374 वां वेबिनार था। मुख्य वक्ता दर्शनाचार्या विमलेश बंसल ने होली का वैदिक स्वरुप बतलाते हुए कहा की होली नाम संस्कृत के होलक से होला और होला से होली इस तरह बना है जो जन सामान्य की बोली बन गया है। जबकि वैदिक नाम नवसस्येष्टि यज्ञ है। यह पर्व सदियों पुराना और हमारे पूर्वजों की दूरदर्शिता का परिचायक है क्योंकि इस पर्व के द्वारा बदलते मौसम में निरोगी रहने का अचूक उपाय सुझाया है इसलिए इस पर्व पर रात्रि को गांव के बाहर विशाल सामूहिक अग्निहोत्र से कीटो का शमन, जौ की बाली अग्नि में भूनकर वर्षा दूर करना ताकि पकी हुई फसल नष्ट ना हो और अगले दिन शरीर पर यज्ञ की मर्दन,टेसू के फूलों के जल से नहाना आदि इस पर्व का मुख्य उद्देश्य है। लेकिन वर्तमान में देखकर लगता है की हम अपनी पुरातन संस्कृति भूल रहे हैं, शराब भांग नशा हो या मांस विक्रेताओं के यहाँ लगी भीड़ वा होलिका दहन में गौ के गोबर से बनी गूलरियों, हवन सामग्री के साथ यज्ञ करने के बजाय कूड़ा करकट और गंदी लकड़ियों के ढेर में आग लगाकर पूजना यह सब विकृतियां आज चारों ओर दिखाई पड़ रही हैं। होली के नाम पर अश्लील गीत व फूहड़ता चारों ओर देखने मिल रही है,। आवश्यकता है पंच महा यज्ञों को वृहद् व सामूहिक स्तर पर धूमधाम से कर संगठन को मजबूत बना संस्कृति पर गर्व करने की।उन्होंने कहा कि विचार, वाणी,व्यवहार,वित्त नवान्न से वातावरण को शुद्ध करने की, यज्ञ में प्रसाद लगा सबको प्रेमपूर्वक वितरण की,पर्व वह पौर है जिसमें सर्व सुरक्षा हो,सबको प्रसन्नता हो,लोग प्रकृति में हुए परिवर्तन को समझ स्वास्थ्य लाभ लें सब निरोग करने हों।वस्तुत: होली का यह पर्व सामाजिक समरसता का संदेश देने आता है और नवसम्वत्सर मनाने के लिए मंगलकामनाएं भी दी। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमे पवित्रता से पर्व मनाना चाहिए, यह आपसी भाई चारे व सामाजिक समरसता का पर्व है । मुख्य अतिथि आर्य नेत्री सरला वर्मा, अध्यक्ष विमला आहुजा, आचार्य विश्व केतु (ऋषिकेश),प्रान्तीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने भी अपने विचार रखते हुए वैदिक संस्कृति को आत्मसात करने का आह्वान किया।

ये गलती बहुत भारी है

ऐसी गलती से दूसरों को अवश्य ही भारत के जिम्मेदार परमाणु शक्ति होने पर सवाल उठाने का मौका मिलेगा। बहरहाल, यह कहा जा सकता है कि इस बेहद गंभीर मसले को भारत और पाकिस्तान ने जिम्मेदारी और परिपक्वता के साथ संभाला है। वरना, यह टकराव भड़ने का एक मौका बन सकता था।

ऐसी घटना अनसुनी है कि किसी देश की मिसाइल गलती से जाकर किसी दूसरे देश में गिरे। वह भी उस देश की जो परमाणु शक्ति है। फिर मिसाइल उस देश में जाकर गिरे, जिससे संबंध शत्रुतापूर्ण हों। ऐसी गलती से दूसरों को अवश्य ही भारत के जिम्मेदार परमाणु शक्ति होने पर सवाल उठाने का मौका मिलेगा। बहरहाल, यह कहा जा सकता है कि इस बेहद गंभीर मसले को भारत और पाकिस्तान ने जिम्मेदारी और परिपक्वता के साथ संभाला है। वरना, यह तनाव और टकराव भड़ने का एक मौका बन सकता था। पाकिस्तान को भी इसका श्रेय देना चाहिए कि उसने इस घटना को बेहद संयम के साथ उठाया। भारत ने उस पर अफसोस जताने में देर ना कर सही रुख का परिचय दिया। अब जरूरी यह है कि भारत में इस भूल की समग्र जांच हो और जवाबदेही तय की जाए। सिर्फ तकनीकी गलती कह कर मामले को टालना खुद को नुकसान पहुंचाना होगा। फिलहाल भारत सरकार की तरफ से आए बयान में बताया गया कि 9 मार्च को नियमित मेंटेनेंस के दौरान एक तकनीकी गलती हुई, जिसकी वजह से एक मिसाइल अचानक दाग दी गई।

रक्षा मंत्रालय का कहना है कि इस मामले में एक उच्चस्तरीय जांच के आदेश दे दिए गए हैं। अब सुनिश्चित यह कहना होगा कि ये जांच सिर्फ खानापूरी ना हो। पाकिस्तान ने 9 मार्च को ही भारत को इस घटना के बारे में आगाह किया था। पाकिस्तान ने कहा था कि काफी ऊंचाई पर एक सुपरसोनिक चीज भारत की तरफ से पाकिस्तान की ओर आई थी और पाकिस्तान के इलाके में जा कर गिर गई। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि इस्लामाबाद में भारत के राजदूत को इस मामले में तलब किया गया है। पाकिस्तान ने इस मामले की जांच की मांग की। लेकिन इसको लेकर तुरंत आक्रामक रुख नहीं अपनाया। उसकी इस बात से किसी को असहमति नहीं हो सकती कि इस हादसे की वजह से यात्री विमानों या फिर नागरिकों के जीवन पर खतरा हो सकता था। इस बिंदु पर भारत के लिए सतर्क होने की एक वजह है। पाकिस्तान ने 9 मार्च को ही नक्शे के साथ यह दुनिया को बता दिया कि मिसाइल कहां से चली, किस रास्ते से किस ऊंचाई तक गई और कब पाकिस्तान की सीमा में प्रवेश किया। यह पाकिस्तान के पास मौजूद कुशल सिस्टम का परिचायक है। (आरएनएस)

रूस के जवाबी कदम

अब तक रूस पर इतने प्रतिबंध लगाए जा चुके हैं कि अब किसी अन्य प्रतिबंध से उस पर और क्या फर्क पड़ेगा? चरम उपाय संबंधित देश के खिलाफ सैनिक कार्रवाई होती है। लेकिन अमेरिका या उसके साथी देश इस उपाय को अपनाने में सक्षम होते, तो पहले ही वैसा कर चुके होते।

दुनिया में इन बातों की खूब चर्चा है कि पश्चिमी देशों ने यूक्रेन पर हमले के बाद रूस पर क्या प्रतिबंध लगाए हैँ। लेकिन रूस ने उन कार्रवाइयों के जवाब में जो कदम उठाए हैं, उन पर और उनके अर्थ पर ज्यादा बात नहीं हुई है। जबकि रूस के कदमों का दूरगामी परिणाम होगा। मसलन, रूस ने एक कदम यह उठाया है कि उसने उन देशों को अ-मित्र घोषित कर दिया है, जिन्होंने उस पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैँ। साथ ही ये एलान किया है कि इन देशों से या उनके संस्थानों से रूस की सरकार या कंपनियों ने जो कर्ज लिए हैं, उन्हें अब रुबल में चुकाया जाएगा। अब मुद्दा यह है कि रुबल का मूल्य कौन तय करेगा? जाहिर है, कोई सरकार अपनी सॉवरेन मुद्रा का भाव खुद तय करने में सक्षम होती है। लेकिन रूस सरकार जो भाव तय करेगी, उसका विदेश में क्या मूल्य होगा? यानी अपनी तरफ से रूस रुबल में कर्ज को संबंधित संस्थान को भेज देगा, लेकिन उस संस्थान के लिए मुमकिन है कि वे रुबल कागज के टुकड़े से ज्यादा कीमती ना हों। इसके साथ ही रूस ने कहा है कि वह अपने यहां पश्चिमी पेटेंट का सम्मान नहीं करेगा। यानी रूसी कंपनियां पेंटेट कराई जा चुकी वस्तुओं को पेंटेट फीस बिना चुकाए धड़ल्ले से बना सकेंगी।

अभी ये एलान नहीं हुआ है, लेकिन चर्चा है कि रूस अपने यहां पारइटेड सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल को अपराध की श्रेणी से हटाने जा रहा है। उसके बाद तमाम पश्चिमी कंपनियों के सॉफ्टेवयर की पाइरेसी करके रूस में उनका खुलेआम उपयोग हो सकेगा। आम तौर पर जब कोई देश ऐसे कदम उठाता है, तो अंतरराष्ट्रीय समुदाय उस पर प्रतिबंध लगा कर उसे दंडित करता है। लेकिन रूस पर इतने प्रतिबंध लगाए जा चुके हैं कि अब किसी अन्य प्रतिबंध से उस पर क्या फर्क पड़ेगा? चरम उपाय संबंधित देश के खिलाफ सैनिक कार्रवाई होती है। लेकिन अमेरिका या उसके साथी देश इस उपाय को अपनाने में सक्षम होते, तो पहले ही वैसा कर चुके होते। इस उपाय को तो दुनिया के महाविनाश का जोखिम उठाते हुए ही सोचा जा सकता है। तो कुल मिलाकार रूसी कदमों का निहितार्थ यह है कि जो अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था अब तक थी, वह भंग हो गई है। इसके बाद अब एक नई किस्म की अंतरराष्ट्रीय अस्थिरता का अंदाजा साफ लगाया जा सकता है। (आरएनएस)

दिनचर्या में शामिल करें एरोबिक एक्सरसाइज, मजबूत होंगी मसल्स

कोरोना के बाद हर व्यक्ति स्वस्थ और तंदुरुस्त रहना चाहता है। जिसके लिए वे अपनी जीवन शैली में सुधार कर रहे हैं। अपने शरीर को स्वस्थ व फिट रखने के लिए जहाँ युवा जिम का सहारा ले रहे हैं, वहीं दूसरी ओर महिलाएँ और युवतियाँ अपने शारीरिक सौष्ठप को बनाए रखने के लिए घर पर ही कई प्रकार की एक्सरसाइज कर रही हैं। इनकी बदौलत ये अपने शरीर को पूरी तरह से फिट और तन्दुरुस्त रख रहे हैं। यदि आप जिम में नहीं जा रहे हैं तो कोई घबराने की बात नहीं है। आप अपनी दिनचर्या में एरोबिक एक्सरसाइज शामिल कर मसल्स को मजबूत बना सकते हैं। एरोबिक एक्सरसाइज के लिए आपको ज्यादा कुछ चीजों की जरूरत नहीं पड़ती है और बिना किसी एक्सपर्ट की मदद से आप इसे कर सकते हैं। आपकी हृदय प्रणाली को मजबूत बनाने में एरोबिक एक्सरसाइज बहुत मददगार साबित होती है।

आइए डालते हैं एक नजर उन एरोबिक एक्सरसाइज पर जो आपकी मांसपेशियों को मजबूती प्रदान करती हैं–

जॉगिंग या दौडऩा

जॉगिंग या दौडऩा प्रभावी एरोबिक व्यायाम है। इससे मांसपेशियों का विकास और पूरे शरीर के अंगों में रक्त संचार उचित ढंग से होता है। इससे कैलोरी को तेजी से घटाने और मूड को सही करने में मदद मिलती है। इसके लिए सही जूते पहन लें और सुबह-शाम आधे घंटे के लिए दौड़ें। इसके लिए आप हर 5 मिनट के बाद 1 मिनट के लिए धीरे-धीरे चलने का प्रयास करें। हालांकि दौडऩे से पहले स्ट्रेचिंग जरूर करें।

सीढ़ी चढऩा

सीढ़ी चढऩा फैट और कैलोरी बर्न करने का शानदार तरीका है। यदि 180 एलबी का शख्स एक घंटे तक मध्यम गति से सीढियाँ चढ़ता-उतरता है, तो उसकी करीब 600 कैलोरी बर्न हो सकती है। हाई लेग लिफ्ट शामिल होने के कारण सीढियां चढऩे से, नॉर्मल वॉक करने के मुकाबले अधिक मसल्स का यूज होता है। हालांकि सीढ़ी चढऩे से जोड़ों पर अधिक वजन और दबाव आ सकता है, इसलिए घुटनों की समस्या वाले लोग इसे करने से बचें।

पैदल चलना या टहलना

रोजाना टहलने से हृदय रोगों, मोटापा, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और डिप्रेशन का खतरा कम हो सकता है। साथ ही इससे पैरों की मांसपेशियाँ और हड्डियाँ मजबूत होती हैं। इसके लिए आप सुबह-शाम सप्ताह में 5 दिन 30 मिनट के लिए टहल सकते हैं। इसके प्रतिदिन 1000 कदम चलने से भी अपने आपको फिट रख सकते हैं। धीरे-धीरे करके आप इन कदमों की संख्या में बढ़ोतरी कर सकती हैं। टहलने के दौरान सही जूते पहनें और तेजी से सांसे लेने की कोशिश करें। साथ ही अपनी क्षमता से अधिक चलने का प्रयास न करें। इससे घुटनों या पैरों में चोट लग सकती है।

स्विमिंग

बहुत से लोगों को स्विमिंग करना अच्छा लगता है। इससे मांसपेशियों को टोन करने में मदद मिलती है साथ ही यह फेफड़ों की मजबूती के लिए बेहतर रहता है। आप पूल में सही तरीके से स्विमिंग सूट पहनकर जा सकते हैं। इसे आप ट्रेनर की मदद से कर सकते हैं। तैराकी से आपको ज्यादा चोट लगने का डर नहीं होता है लेकिन अगर आप पहली बार स्विमिंग करने जा रहे हैं, तो आपको ट्रेनर की मदद लेनी होगी। इसे आप रोज आधा घंटे तक करें। इन 30 मिनटों में आप को 3 बार ब्रेक लेना चाहिए अर्थात् हर 10 मिनट बाद आप कुछ देर के लिए सुस्ता लें।

जुम्बा

जुम्बा एक एरोबिक डांस शैली है, जिसकी मदद से शरीर के सभी हिस्सों को टोन करने में मदद मिलती है। इससे शरीर में लचीलापन बना रहता है और शरीर सुडौल बनता है। इससे तनाव दूर रहता है। इस दौरान आप किसी संगीत पर जुम्बा डांस कर सकते हैं। इसे आप सप्ताह में 1 से 3 बार 60 मिनट के लिए कर सकते हैं। डांस के समय आरामदायक जूते पहनें और हर 15 मिनट बाद ब्रेक लें और पानी पिएं। साथ ही शुरुआत में ट्रेनर की मदद से जुम्बा करने का प्रयास करें ताकि चोट से बच सकें।

रस्सी कूदना

रस्सी कूदने से आपके हाथों और पैरों की मांसपेशियों में मजबूती आती है। साथ ही हृदय प्रणाली और सांसों की समस्या भी कम हो जाती है। कहते हैं रस्सी कूदने से लंबाई भी बढ़ जाती है। इसे आप सप्ताह में आप 3 से 5 बार 15 मिनट से 25 मिनट के लिए कर सकते हैं। यह एक बेहतरीन इनडोर या आउटडोर एक्टिविटी है। इसके लिए आप जिम के जूते पहनकर रस्सी ले लें और पैरों को एक बराबर सीधी रेखा में रखें। रस्सी को अपने दोनों हाथों से पकड़ें और फिर पैरों को एक साथ उठाकर कूदें और वापस जमीन पर आएं।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य - 71

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. कतार, क्रम, पांत 2. लज्जत, जायका 4. कारण, वजह 7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना 8. घोड़े आदि का मल 9. अक्सर, ज्यादातर 10. चक्की में पीसना, मसलना, कुचलना 12. धनुष, फौजी टुकड़ी 13. आभूषण, जेवर 15. लहरों का चक्कर, जलावर्त, भ्रमर 17. बायां, विरुद्ध 18. गाना, नगमा 19. लाचार, विवश 22. नमन, प्रणाम 25. चौकी, थाना 26. इकरार, समझौता, ठेका 27. अधिकार होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)।

ऊपर से नीचे

1. एक प्रदेश जिसकी राजधानी चंडीगढ़ है 2. हविर्दान के समय उच्चारित एक शब्द, भष्म 3. दन-दन करते हुए 5. बलशाली, बलवाला 6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रजनीश 11. अप्रिय, अरुचिकर 14. मैं का बहुवचन 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ू लगाने तथा मैला साफ करने वाली 16. मातृभूमि, स्वदेश 19. मक्खन, माखन 20. बुढ़ापा, धन, ज्वर 21. टालना, हटाना, बहाना करके हटाना 23. सीमा, हद 24. सौ का पाचंवा हिस्सा 25. घोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, पौधे आदि का डंठल।

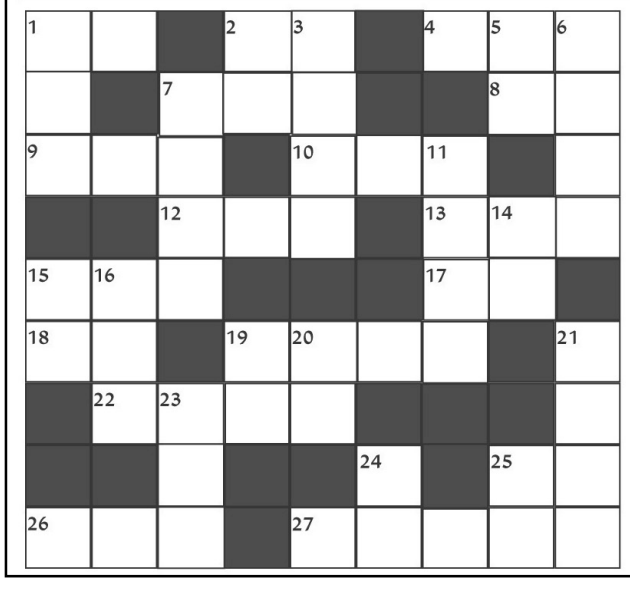

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 70 का हल

वि	ज	य	■	ब	नि	या	■	दे
वा	■	ती	त	र	■	रा	जी	व
ह	मा	म	■	स	प	ना	■	ता
■	न	■	■	■	टा	■	■	■
दा	व	त	■	वि	ना	श	■	अ
य	■	ह	त्या	■	■	ह	र्जा	ना
रा	ह	त	■	न	ज	र	■	व
■	वा	■	■	■	मी	■	ना	श्य
दु	ला	रा	■	जा	न	की	■	क

मनोज बाजपेयी और शर्मिला टैगोर की फिल्म गुलमोहर की शूटिंग शुरू

हर दिल अजीज अभिनेता मनोज बाजपेयी की लोकप्रियता किसी से छिपी नहीं है। फिल्मों के अलावा ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी उनकी धाक जमी रहती है। पिछले साल द फैमिली मैन 2 में उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया था। अब उनकी एक नई फिल्म को लेकर जानकारी सामने आई है। मनोज और दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर अपनी फिल्म गुलमोहर में नजर आएंगे। उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है।

मनोज ने सोशल मीडिया पर फिल्म से जुड़ी जानकारी दी है। उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल पर फिल्म के सेट से एक क्लिपबोर्ड की तस्वीर शेयर की है, जिसमें फिल्म का नाम गुलमोहर लिखा हुआ है। साथ ही उन्होंने अपने ट्विटर पोस्ट में लिखा, शूटिंग शुरू हुई। एक नई फिल्म। नया माहौल। हवा में घबराहट और उत्साह! हमें शुभकामनाएं दें। इस फिल्म के निर्देशन की कमान राहुल वी चितेला संभाल रहे हैं।

शर्मिला और मनोज के अलावा इस फिल्म में अभिनेता सूरज शर्मा भी नजर आएंगे। उन्होंने 2012 में रिलीज हुई फिल्म लाइफ ऑफ पाई से अपने अभिनय की शुरुआत की थी। फॉक्स स्टार स्टूडियोज इस फिल्म का निर्माण कर रही है। निर्देशक राहुल को उनकी एंथोलॉजी फिल्म शोर से शुरुआत के लिए जाना जाता है। फिल्म 2016 में रिलीज हुई थी, जिसमें अतुल कुलकर्णी और संजय मिश्रा जैसे कलाकार नजर आए थे।

इस फिल्म के प्लॉट के बारे में कोई खास जानकारी सामने नहीं आई है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि शर्मिला काफी समय बाद गुलमोहर के जरिए बड़े पर्दे पर वापसी करेंगी। उन्हें आखिरी बार 2010 में आई रोमांटिक कॉमेडी फिल्म ब्रेक के बाद में देखा गया था। इस फिल्म में इमरान खान और दीपिका पादुकोण मुख्य भूमिकाओं में थे। बता दें कि शर्मिला के बेटे सैफ अली खान और बेटी सोहा अली खान भी लोकप्रिय कलाकार हैं।

शर्मिला ने अपने करियर की शुरुआत 13 साल की उम्र में ही सत्यजीत राय की फिल्म अपूर संसार से किया था। इसके बाद उन्हें मौसम, अनुपमा, सत्यकाम, बंधन, आविष्कार, एकलव्य, सफर और दूसरी दुल्हन जैसी फिल्मों में देखा गया है।

अभिनेता मनोज के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनके खाते में कई प्रोजेक्ट्स हैं। वह वेब सीरीज द फैमिली मैन 3 को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। ऐसी भी चर्चा चली थी कि उन्होंने इस सीरीज के लिए 20-22 करोड़ रुपये फीस मांगी है। इसके अलावा वह अपनी अगली फिल्म डिस्पैच में नजर आएंगे। उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग भी खत्म कर ली है। कन्नू बहल ने इस फिल्म का निर्देशन किया है।

अब मशहूर शायर और गीतकार साहिर लुधियानवी का किरदार निभाएंगे अभिषेक बच्चन

अभिषेक बच्चन के खाते से कई फिल्में जुड़ी हैं और अब एक और फिल्म से उनका नाम जुड़ गया है। वह निर्देशक संजय लीला भंसाली की अगली फिल्म का हिस्सा बन गए हैं। यह वही फिल्म है, जिसमें भंसाली मशहूर शायर और गीतकार साहिर लुधियानवी के जीवन को पर्दे पर लाने वाले हैं। यूं तो अभिषेक का नाम पहले भी इस फिल्म से जुड़ा, लेकिन अब उनकी एंट्री पक्की हो गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अभिषेक जल्द ही साहिर लुधियानवी का किरदार पर्दे पर जीवंत करते दिखेंगे। फिल्म के निर्माता संजय लीला भंसाली ने उन्हें फिल्म के लिए फाइनल कर दिया है। भंसाली को पूरी उम्मीद है कि साहिर के युवा किरदार के लिए अभिषेक से बेहतर कोई कलाकार नहीं हो सकता। इस फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी जसमीत रीम को सौंपी गई है। अभिषेक का नाम इस फिल्म के लिए पिछले साल से चल रहा था।

दिवंगत अभिनेता इरफान खान की दिली तमन्ना थी कि वह साहिर लुधियानवी की बायोपिक में काम करें। इरफान ने कहा था, मुझे नहीं पता कि मैं इस किरदार के लिए कितना सही हूं और मैं यह भी नहीं जानता कि मैं साहिर साहब की भूमिका के साथ इंसाफ कर भी पाऊंगा या नहीं, लेकिन इतना कहूंगा कि मैं उनका बहुत बड़ा फैन हूं। हालांकि, 29 अप्रैल, 2020 को इरफान का निधन हो गया और उनकी यह इच्छा अधूरी रह गई। फिल्म में साहिर की प्रेमिका और लेखिका अमृता प्रीतम की भूमिका के लिए अब तक कई नाम सामने आ चुके हैं। सबसे पहले प्रियंका चोपड़ा चर्चा में थीं, लेकिन उनके साथ बात नहीं बनी। इसके बाद ऐश्वर्या राय बच्चन, दीपिका पादुकोण और आलिया भट्ट का नाम फिल्म से जुड़ा। कुछ समय पहले खबरें आईं कि भंसाली ने फिल्म के लिए तापसी पन्नू को फाइनल कर दिया है। हालांकि, फिल्म में अब तक उनके नाम की भी पुष्टि नहीं हुई है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

आशिक अबू के साथ थ्रिलर फिल्म साइन करने की तैयारी में शाहरुख

शाहरुख खान काफी समय से फिल्म पठान को लेकर सुर्खियों में हैं, क्योंकि जीरो के बाद यह उनकी कमबैक फिल्म है। उनके खाते से फिलहाल कई फिल्में जुड़ी हैं और लगता है शाहरुख अब खाली बैठने के मूड में बिल्कुल नहीं हैं। तभी तो वह एक के बाद एक फिल्म साइन कर रहे हैं। अब वह निर्देशक आशिक अबू के साथ काम करने वाले हैं। उनकी फिल्म से पहले भी शाहरुख का नाम जुड़ा था।

अबू ने खुद यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, हमने हाल ही में शाहरुख के साथ मीटिंग खत्म की है। हमने एक आइडिया शेयर किया है। शाहरुख इससे खुश थे, लेकिन अभी इस फिल्म में कुछ वक्त लगेगा।। उन्होंने कहा, कोरोना महामारी अभी खत्म नहीं हुई है और फिर उनके और हमारे शेड्यूल की वजह से इस प्रोजेक्ट में थोड़ा समय लगने वाला है। मैं बस फिलहाल यही बता सकता हूं कि यह एक तरह की थ्रिलर फिल्म होगी।

2019 में भी यह चर्चा जोरों पर थी कि अबू और शाहरुख साथ काम करने वाले हैं। अबू ने शाहरुख के घर मन्नत में उनसे मुलाकात की थी। कहा जा रहा था कि शाहरुख ने अबू की एक फिल्म साइन कर ली है। कुंबलंगी नाइट्स फेम श्याम पुष्करण इस फिल्म की कहानी लिखेंगे। अबू ने शाहरुख से हुई इस मुलाकात की झलक सोशल मीडिया पर भी दिखाई थी और उनका शुक्रिया अदा कर उनके प्रति अपना प्यार जाहिर किया था।

आशिक अबू मलयालम सिनेमा के एक जाने-माने निर्देशक, अभिनेता और निर्माता हैं। उन्हें डैडी कूल, साल्ट एन पेपर, 22 फीमेल कोट्टायम, इडुक्की गोल्ड, मायानाधी और वायरस जैसी सफल फिल्मों के लिए जाना जाता है। बतौर प्रोड्यूसर उनकी फिल्म महेशिन्ते प्रतिकारम राष्ट्रीय पुरस्कार जीत चुकी है।

आजकल शाहरुख पठान की शूटिंग में व्यस्त हैं। पिछले दिनों उन्होंने इस फिल्म की रिलीज डेट जारी की थी। पहले उनकी यह फिल्म इसी साल स्वतंत्रता दिवस के मौके पर रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब यह अगले याल गणतंत्र दिवस के अवसर पर सिनेमाघरों में आएगी। फिल्म हिंदी के साथ तमिल और तेलुगु में भी रिलीज होगी। बीते दिन शाहरुख अपनी इस फिल्म की शूटिंग के लिए जॉन अब्राहम और दीपिका पादुकोण संग स्पेन के लिए रवाना हुए हैं।

शाहरुख थ्रिलर फिल्में बनाने के लिए मशहूर राज एंड डीके की आगामी फिल्म का भी हिस्सा हैं। वह निर्देशक एटली की फिल्म और राजकुमार हिरानी की अगली फिल्म मे अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। निर्देशक संजय लीला भंसाली ने शाहरुख के साथ इजहार नाम की एक रोमांटिक फिल्म बनाने की प्लानिंग भी की है। फिल्म टाइगर 3 में शाहरुख एक महत्वपूर्ण भूमिका में दिखने वाले हैं। संजय दत्त के साथ फिल्म राखी को लेकर भी शाहरुख चर्चा में हैं।

रिलीज हुआ फिल्म रनवे 34 का मोशन पोस्टर

अमिताभ बच्चन और अजय देवगन स्टारर फिल्म 'रनवे 34 का मोशन पोस्टर रिलीज किया गया है, इसी के साथ ही बताया गया है कि फिल्म किस तारीख को सिनेमाघरों में आएगी। आप सभी को बता दें कि यह फिल्म बेहतरीन होने वाली है और फैंस इस फिल्म को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। जी हाँ, आपको बता दें कि इस फिल्म के पोस्टर में अजय देवगन से लेकर अमिताभ तक सभी फुल एक्शन में नजर आ रहे हैं। आप देख सकते हैं हवाई जहाज की गड़गड़ाहट और रनवे के बीच खड़े अजय-अमिताभ बच्चन के माथे पर शिकन से फैंस की धड़कनें बढ़ रही हैं।

वहीं देखने में पोस्टर काफी इंट्रस्टिंग है, इसी के साथ लोगों की जिज्ञासा भी काफी बढ़ रही है। कई लोग कमेंट सेक्शन में पूछ रहे हैं कि फिल्म का ट्रेलर कब आएगा। आप सभी को बता दें, इस फिल्म में अजय ने एक्टिंग के साथ-साथ डायरेक्शन भी संभाला है। जी हाँ और फिल्म में अमिताभ बच्चन और अजय देवगन के अलावा बोमन ईरानी, रकुल प्रीत सिंह और अंगीरा धर भी अहम किरदार में होंगे। आपको पता हो इससे पहले अजय देवगन और बोमन ईरानी ने बताया था कि वह इस फिल्म की शूटिंग फिनिश कर चुके हैं।

जी दरअसल खास अंदाज में जानकारी देते हुए अजय ने एक वीडियो शेयर किया था जिसमें वो पूरे क्रू के साथ नजर आ रहे थे। उस समय अजय देवगन ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा था- 'हमने फ्लाइट के फूड को काफी सीरियसली ले लिया। रनवे 34- की शूटिंग खत्म। अब मिलेंगे मूवी पर।' इस वीडियो में अजय और बोमन कहते नजर आते हैं कि 'रनवे 34। इट्स ए रैप।' फिलहाल पोस्टर ने लोगों का दिल जीत लिया है। रनवे 34- 29 अप्रैल को ईद पर रिलीज की जाएगी।

रिलीज होते ही कई साइटों पर ऑनलाइन लीक हुई प्रभास की फिल्म राधे श्याम

फिल्म राधे श्याम 11 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इसे समीक्षकों से भी अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। प्रभास के फैंस ने तो उनकी इस फिल्म को 10 में से 10 नंबर दिए हैं, लेकिन अब जो खबर आ रही है, उससे प्रभास और उनके प्रशंसक निराश हो जाएंगे। दरअसल, यह फिल्म ऑनलाइन पायरेसी का शिकार हो गई है। लोग पायरेटेड साइटों से मुफ्त में फिल्म डाउनलोड कर रहे हैं।

राधे श्याम को तमिलरॉकर्स, मूवी रूल्ज, आई बोम्मा और अन्य टोरेंट साइटों ने रिलीज के दिन ही ऑनलाइन लीक कर दिया गया है। लोग धड़ल्ले से फ्री में एचडी प्रिंट में फिल्म डाउनलोड कर रहे हैं। फिल्म के ऑनलाइन लीक होने से अब बेशक इसकी कमाई प्रभावित होगी। तमिलरॉकर्स सभी बड़ी फिल्मों को इंटरनेट पर लीक करने के लिए कुख्यात है। प्रभास को भी डर था कि कहीं उनकी फिल्म तमिलरॉकर्स लीक ना कर दे, जो आखिरकार सही साबित हुआ।

इससे पहले राधे से लेकर शेरशाह और थलाइवी जैसी लगभग सभी फिल्में पायरेसी की भेंट चढ़ी हैं। भारत में अब भी पायरेसी नियंत्रण से बाहर है। पायरेसी करने वाली साइटों पर कार्रवाई भी होती आई है, बावजूद इसके कई साइटें इसे बढ़ावा देती हैं।

राधे श्याम भारत की पहली एस्ट्रो-थ्रिलर फिल्म है। राधा कृष्ण कुमार ने इस फिल्म का निर्देशन किया है। इसे भूषण कुमार, वामसी और प्रमोद ने मिलकर बनाया है। इस पीरियड ड्रामा फिल्म की प्रेम कहानी 1970 के दशक की है। इसके जरिए पहली बार प्रभास और पूजा हेगड़े की जोड़ी पर्दे पर देखने को मिली है। फिल्म को काफी बड़े बजट में बनाया गया है। फिल्म में प्रभास के कपड़ों पर लगभग छह करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं।

फिल्म में प्रभास ने विक्रमादित्य नाम के ज्योतिष का किरदार निभाया है। वह हाथ की रेखाओं को देखकर इंसान का भूत और भविष्य दोनों बता देता है। ना चाहते हुए भी उसे डॉ. प्रेरणा (पूजा हेगड़े) से प्यार हो जाता है। वह भविष्यवाणी करता है कि प्रेरणा की जिंदगी बेहतरीन होने वाली है, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर है। अब भविष्य ने जो तय किया है, वही होने वाला है या कुछ और, फिल्म इसी की कहानी है।

प्रभास फिल्म आदिपुरुष में भगवान राम का किरदार निभाने वाले हैं। इसमें उनके साथ कृति सैनन और सैफ अली खान भी नजर आएंगे। वह अपने करियर की 25वीं फिल्म स्पिरिट को लेकर भी सुर्खियों में हैं। प्रभास एक्शन थ्रिलर फिल्म सालार में काम कर रहे हैं। इसके अलावा वह निर्देशक नाग अश्विन की साइंस फिक्शन फिल्म का हिस्सा हैं। प्रभास रैम्बो के हिंदी रीमेक से जुड़े हैं। निर्देशक सिद्धार्थ आनंद की फिल्म में वह एक रॉ एजेंट की भूमिका निभाएंगे।

मोदी मैजिक व कांग्रेसी चूक ने जमाया केसरिया रंग

दिनेश जुयाल

एक हाथ में गरीबों के लिए राशन की थैली, दूसरे में राष्ट्रवाद और हिंदुत्व का मिक्स्चर, वाणी में देवभूमि की आराधना... उत्तराखंड में मोदी मैजिक इस बार कुछ इस रूप में था। पिछले राज के पहले सीएम त्रिवेंद्र सिंह की बेअंदाजी, उल्टे-सीधे फैसले और तीरथ सिंह के अनाड़ीपन ने जो जबरदस्त सत्ता विरोधी रुझान बनाया था उसके जहर को काटने के लिए ये जादू कारगर साबित हुआ। वैसे कांग्रेस के बुजुर्ग क्षत्रप हरीश रावत भी श्रेय के हकदार हैं। फिर से सीएम बनने की जिद में अपने आगे किसी को खड़ा नहीं होने दिया। कांग्रेस की दिल्ली भी समझ रही थी कि बुजुर्गवार इस बार नैया डुबो सकते हैं लेकिन उन्होंने बड़े ही भावुक अंदाज में ऐसी सौदेबाजी की कि इधर कुआं उधर खाई वाली कहानी बना कर ही माने। भारी बहुमत से भाजपा लगातार दूसरी बार सत्ता में लौट रही है। बसपा को सीट मिली लेकिन वोट पिछली बार जितने भी नहीं, आम आदमी पार्टी कुछ नहीं कर पाई। निर्दलीयों की सौदेबाजी की गुंजाइश नहीं बची। भाजपा के सारे अवगुण हर की पौड़ी में धुल गए हैं। सीएम फेस कांग्रेस और आप का ही नहीं, भाजपा का भी पिट गया। यहां का मुख्यमंत्री वैसे भी 22 साल से दिल्ली से तय होकर आता है। अब 'कौन' का जवाब भी जल्द मिलेगा।

कुछ एक्जिट पोल विशेषज्ञों के अलावा, सारे चुनावी विश्लेषक, ग्राउंड रिपोर्ट लिखने वाले और एनालिस्ट भी हार गए। भाजपा का अपना खुफिया एक्जिट पोल भी फेल। उत्तराखंड में मोदी पास हो गए, वह भी विशेष योग्यता के साथ। मोदी के जादू ने उत्तराखंड में 'सत्ता की सवारी बारी-बारी' के मिथक को भी तोड़ दिया लेकिन एक मिथक नहीं टूटा कि सीएम दुबारा नहीं जीतता।

14 फरवरी को वोट पड़ने के बाद एक के बाद एक भाजपा के चार विधायक बोले, हम तो हार रहे हैं और हमें पार्टी अध्यक्ष हरा रहे हैं। कुछ और आवाजें ऐसी ही आईं तो लगा भाजपा तो गई। तभी पोस्ट पोल अपनी खास भूमिका निभाने वाले कैलाश विजयवर्गीय की उत्तराखंड में एंट्री हुई और वह निशंक के साथ बसपा और जीतने की क्षमता वाले निर्दलीयों को साधने लगे। वहीं कांग्रेस ने अपना रेवड़ बचाने के लिए छत्तीसगढ़ से भूपेश बघेल की मदद मांगी और राजस्थान में मुख्यमंत्री गहलोत साहब को विधायकों की सेवा के लिए तैयार रहने को कहा। हरदा यानी अपने हरीश रावत कभी अपनी आने वाली सरकार की प्राथमिकताएं गिनाने तो कभी अपनी विजय की पूर्व-घोषणा करने के लिए मीडिया को दर्शन देते रहे। पार्टी देना तो उन्हें अच्छा लगता है। कुछ नहीं तो सड़क किनारे टिक्की तलते हुए ही अपनी खुशी बांटते रहे। उत्तराखंड के दो पत्रकारों ने यहां के बाकी पत्रकारों को जोड़ कर दो एक्जिट पोल अलग से किए। सब कांग्रेस को बढ़त दे रहे थे। तो हरदा के लिए खुश होने के तमाम कारण थे। गांव-गांव में महिला मंगल दलों को चंदा तो कांग्रेस ने भी दिया, वे गई भी उत्साह से थीं। पुरुषों से दो फीसदी अधिक वोट करने वाली इन संगठित महिलाओं ने कुछ और ही सोच रखा था। हरक सिंह जैसे बेजोड़ खर्चीले कांग्रेसियों का सोमरस भी तो सबने पिया लेकिन सुबह जब नहा-धोकर वोट करने निकले तो उसका असर गायब था।

हरदा फैक्टर की बात करें तो उन्होंने पहले सीएम फेस की लड़ाई लड़ी फिर सीएम बनने की जुगत में ऐसी फौज सजाई कि मोदी जी के लिए किला भेदना आसान हो गया। रामनगर से रणजीत सिंह को सल्ट भगा कर ही माने। रामनगर वालों ने हाथ खड़े कर दिए तो लालकुआं के कुएं में जाकर खुद भी डूब गए। इधर सल्ट और रामनगर की जीती हुई-सी सीटें भी गई। नैनीताल सीट भाजपा से लौटे यशपाल आर्य के नाम कर उसे भी गंवा दिया। हरक सिंह को आखिरी वक्त में एंट्री तो दे दी लेकिन चुनाव नहीं लड़ने दिया। मुस्लिम यूनिवर्सिटी खोलने जैसी घोषणा कर नया विवाद खड़ा कर दिया। अब भाजपा की इससे अधिक मदद क्या कर सकते थे। अब घर बैठेंगे जैसा कि उन्होंने वचन दिया है। पिछले 22 साल में मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए यहां की सदाबहार म्यूजिकल चेयर रेस में पिछली बार कुछ ज्यादा ही रंग दिखे थे। सत्ता की हनक के नमूने भी जनता ने गजब देखे। हालात ऐसे हो गए कि भाजपा को एक टर्म में तीन मुख्यमंत्रियों को आजमाना पड़ा। पिछले 22 साल में राज्य सरकार की इतनी किरकिरी कभी नहीं हुई। मुख्यमंत्री धामी की हार के बाद एक बार फिर ये तमाशा होगा। 21 साल में 11 मुख्यमंत्री देने वाले उत्तराखंड की नई विधानसभा में मदन कौशिक और सतपाल महाराज के अलावा कितने सीएम फेस हैं अभी पता नहीं। अनिल बलूनी जैसे कुछ दिल्ली में भी बैठे हैं और लंबे समय से जुगाड़ भिड़ा रहे हैं। हां, हरक सिंह के कांग्रेस में जाने से कुर्सी-खींच वाले खेल की रौनक कुछ कम रहेगी। वह अपनी बहू को विधायक बनाने के फेर में खुद भी किनारे हो गए।

दुख भरे दिन बीते रे भइया

सौरभ जैन

एक रात ने उनकी किस्मत बदल दी। कल तक तो उन्हें पुलिस स्टेशन में हाजिरी देने जाना पड़ता था, लेकिन अब पुलिस खुद उन्हें हाजिरी देने आएगी। कल तक वे पुलिस को देख अपना रास्ता बदल लिया करते थे, पर अब से पुलिस खुद उनके लिए रास्ता बनाती देखी जाएगी। कभी उन्हें हथकड़ी पहनाने वाले पुलिस के हाथ अब सैल्यूट हेतु विवश होंगे, क्योंकि चुनाव परिणामों के बाद फिर कई बाहुबली सदन की चौखट पर खड़े होंगे। उनके लिए 'दुःख भरे दिन बीते रे भइया अब सुख आयो रे' धुन को गुनगुनाने का समय है। चुनाव परिणाम का ही परिणाम है कि सरकारी गैराज में नई-नई सफेद गाड़ियां चमचमा रही हैं, कौवा सफेदी में रंगने पर हंस नहीं बन सकता, लेकिन काली करतूत वाले सफेद गाड़ी में बैठकर माननीय बन जाते हैं।

वैसे हमारा लोकतंत्र बड़ा नाइट फ्रेंडली है, अंधेरी काली रातें लोकतंत्र के मन को बहुत भाती हैं। आजादी भी आधी रात में ही आई थी। चुनावों में भी ये रातें, ये मौसम, नदी का किनारा चंचल हवा की भूमिका में होते हैं। 'जो जागत है सो पावत है, जो सोवत है वो खोवत है' को वे अपने जीवन का ध्येय वाक्य बना लेते हैं। 'आंखों में सारी रात जाएगी तुमको भी कैसे नींद आएगी।' प्रत्याशी न खुद सोता है, न जनता को सोने देता है। इसीलिए इन्हीं रातों की मेहरबानी है कि लोकतंत्र मतदान केंद्रों पर झूमते-नाचते-गाते-लड़खड़ाते हुए आता है। प्राणीशास्त्र के विद्वान कहते हैं कि रातें तो उल्लू और चमगादड़ों की होती हैं, होती होंगी, लेकिन लोकतंत्र की रोशनी तमाम श्रीमान की आंखों को अंधा बना देती है।

रातें कितनी ही गहरी काली क्यों न हों, नाइट विजन कैमरा लिए न्यूज चैनल वाले प्रकट हो ही जाते हैं, चुनाव परिणामों के बाद न्यूज एंकर 'अब जाकर आया मेरे बेचैन दिल को करार' कहते पाए जा सकते हैं। प्रत्याशी से अधिक उत्साह और मायूसी, यह दोनों ही एंकरों में देखने को मिलती है। मतों की बढ़त में झूम उठते हैं तो मतों के अंतर होने पर मायूस हो जाते हैं। प्रत्याशी बेचारे खुद कन्फ्यूज हो जाते हैं कि लोगों ने वोट आखिर किसे दिया है? उसे या एंकरों को? वैसे भी मतगणना वाला दिन टीआरपी बटोरने के लिए स्वर्णिम अवसर होता है।

चुनाव परिणाम आने के बाद अब तो भगवान भी रिलेक्स मोड पर हैं, वरना कल तक सारे प्रत्याशी प्रभु के सामने हाथ जोड़े 'कैसे-कैसों को दिया है ऐसे-वैसों को दिया है, मुझको भी तू लिफ्ट करा दे' जैसी याचना कर रहे थे। चुनावों में वादे और घोषणाओं के जो पुल बनाये थे उन पर नेता चलेंगे भी या वे रेत के ढेर की तरह ढह जाएंगे यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा। मगर एक बात तो निश्चित है, जीते कोई भी जीतने के बाद जनता के हिस्से में यही बात आएगी 'ये गलियां ये चौबारा, यहां आना न दोबारा।'

सू- दोकू क्र.71

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.70 का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2

जीत की इंजीनियरिंग

पंजाब के अपवाद को छोड़ दें तो उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा व मणिपुर में भाजपा की दमदार वापसी ने चुनाव पंडितों को भी हैरत में डाला है। इसमें भी उ.प्र. में कई मिथक तोड़कर योगी सरकार की वापसी कई मायनों में चौंकाने वाली है। निस्संदेह, सपा के सूत्रधार अखिलेश ने यादव, जाट व मुस्लिम गठजोड़ बनाकर जो कड़ी चुनौती भाजपा के लिये पैदा की, उसमें चुनाव विश्लेषक भाजपा की जीत की राह को संदेह से देख रहे थे। लेकिन बृहस्पतिवार को जब चुनाव परिणाम आये तो चुनाव पंडितों के चौंकने की बारी थी। दिल्ली की गद्दी की राह तय करने वाले प्रदेश के चुनाव परिणामों के समीकरणों को भाजपा व नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता का लिटमस टेस्ट माना जा रहा था। यह भी कि इसके परिणाम 2024 के आम चुनाव की दिशा-दशा तय करेंगे। इस कसौटी पर भाजपा खरी उतरी है। इसे नरेंद्र मोदी की अगले आम चुनाव में दावेदारी के रूप में देखा जाने लगा है। फिलहाल भाजपा के चुनाव प्रबंधन का तोड़ विपक्ष के पास नहीं है। यह भी कि नरेंद्र मोदी की अगुवाई में वर्ष 2014 से बदलाव की राजनीति का जो उपक्रम शुरू हुआ था, उसका तिलिस्म अभी बाकी है। खामियों का जिम्मा राज्य सरकार पर और उपलब्धियों का श्रेय केंद्र सरकार के खाते में डालने वाला तंत्र यह मंत्र मतदाताओं को समझाने में कामयाब रहा है। तभी कोरोना संकट की टीस, महंगाई, सत्ता के विरुद्ध उपजे आक्रोश, बेरोजगारी तथा आवारा पशुओं के संकट के बावजूद उ.प्र के मतदाताओं ने भाजपा को फिर सत्ता सौंप दी। ऐसा भी नहीं है कि भाजपा ने सिर्फ ध्रुवीकरण का ही सहारा लिया हो, उसने लोक कल्याण कार्यक्रमों, विकास योजनाओं व मोदी की छवि को भी भुनाया है। यह विश्वास जनता को दिलाया है कि नेतृत्व के जरिये सुरक्षा देने का काम नरेंद्र मोदी ही कर सकते हैं। उसके जनाधार में महिलाओं, पिछड़ी जतियों के साथ ही परंपरागत वोट भी थोड़ी-बहुत नाराजगी के साथ जुड़ा रहा है।

निस्संदेह, विपक्ष भाजपा के सामने कोई वैचारिक विकल्प प्रस्तुत नहीं कर सका। जो मुद्दे थे भी, उन्हें जमीनी स्तर पर नहीं उतार पाया। ममता बनर्जी के नेतृत्व में मोदी का विकल्प बनने के जो प्रयास शुरू हुए थे उनको इससे झटका लग सकता है। भले ही उ.प्र. में सपा गठबंधन की चुनौती को भांपते हुए भाजपा ने अपनी पूरी मशीनरी जनाधार को बचाने के लिये लगा दी हो, लेकिन इस जीत से योगी आदित्यनाथ का कद पार्टी संगठन में मजबूत हुआ है। एक समय मुख्यमंत्री का चेहरा बदलने की बात हो रही थी, वही चेहरा नूरानी होकर निकला है। बहरहाल, इन चुनाव परिणामों ने कई क्षेत्रीय व वंशवादी राजनीतिक दलों के अवसान की भी इबारत लिख दी। उ.प्र. में बसपा का सिमटना और कांग्रेस का हश्र यही कहता है। वहीं पंजाब में अकाली दल के इतिहास में सबसे बड़ी शिकस्त सामने आई है। बहुत संभव है कांग्रेस पार्टी में बाहरी नेतृत्व का प्रश्न एक बार फिर उठे। बहरहाल, चर्चा उ.प्र. में भाजपा की चुनाव इंजीनियरिंग की भी होगी कि गहरे आक्रोश को कम करके भाजपा कैसे सत्ता में लौटी। निस्संदेह, विपक्षी दलों के अस्तित्व के लिये उ.प्र. चुनाव एक अग्नि परीक्षा की तरह ही थे।

मगर भाजपा ने उ.प्र. व उत्तराखंड में अपना मत प्रतिशत बढ़ाकर आलोचकों की बोलती बंद कर दी। लेकिन विश्लेषकों को यह सवाल मथ रहा है कि आखिर क्या वजह थी कि बेरोजगारी, महंगाई व व्यवस्था की विसंगतियों से क्षुब्ध होते हुए मतदाता ने मतदान स्थल पर अपना मन बदला। निस्संदेह, इसमें भाजपा के कोर वोटर वर्ग, ध्रुवीकरण के साथ विकास के मुद्दे भी प्रभावी रहे और एक भरोसा यह भी कि डबल इंजन की सरकार देर-सवेर बदलाव की वाहक बन सकती है। निस्संदेह, दिल्ली आप सरकार की कामयाबी, बिजली-पानी, चिकित्सा व शिक्षा के मुद्दों ने पंजाब के जनमानस को प्रभावित किया, लेकिन ऐसी ही कोशिश आप ने उत्तराखंड व गोवा में मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करके भी की थी, जबकि कामयाबी नहीं मिली। सही मायनों में पंजाब में आप की जीत के मूल में परंपरागत राजनीतिक दलों से मोह भंग होना व किसान आंदोलन से उपजी कसक भी शामिल थी। (आरएनएस)

राज्यपाल ने उपराष्ट्रपति का जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर किया स्वागत

देहरादून। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू के उत्तराखंड आगमन पर शनिवार को राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने जौली ग्रांट एयरपोर्ट देहरादून में उनका स्वागत किया। इस अवसर पर कार्यवाहक सीएम पुष्कर सिंह धामी व अन्य लोग उपस्थित रहे।

फर्जी कागजातों के सहारे जमीन कब्जाने के मामले में आठ नामजद

संवाददाता

देहरादून। फर्जी दस्तावेजों के सहारे सम्पत्ति कब्जाने का प्रयास करने के मामले में पुलिस ने आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार क्लेमनटाउन निवासी ताहिरा एस विम्बेट ने क्लेमनटाउन थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि मोहददीनपुर सहारनपुर निवासी राजेन्द्र सिंह ने अपने साथियों मौहम्मद साजिद पुत्र मौहम्मद हारून निवासी महबूब कालोनी पटेलनगर, सचिन पुत्र ब्रहमपाल, नाथीराम पुत्र सुखन सिंह निवासी रविदास मन्दिर तेलपुरा सहारनपुर, शकील व गोपाल पुत्र बलदेव निवासी सुनहरा रूडकी व एक अन्य के साथ मिलकर फर्जी दस्तावेज तैयार कर उनको असली के रूप में प्रयोग कर उस की पैतृक सम्पत्ति पर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नदी में डूबे युवक के शव को एसडीआरएफ ने किया बरामद

संवाददाता

देहरादून। एसडीआरएफ ने नदी में डुबे युवक का शव बरामद कर पुलिस को सौंपा। प्राप्त जानकारी के अनुसार गत दिवस एसडीआरएफ टीम को सूचना मिली थी कि एक लड़का आठली गांव नदी में डूब गया था । उपरोक्त सूचना प्राप्त होते ही एसडीआरएफ पोस्ट उजेली रेस्क्यू टीम व एसडीआरएफ पोस्ट कोटी कॉलोनी से डीप डाइविंग टीम द्वारा घटनास्थल पर लगातार सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा था। आज सर्चिंग के दौरान एसडीआरएफ टीम के डीप ड्राइवर कविंद्र चौहान द्वारा लगभग 30 फीट गहराई में जाकर उक्त युवक नाम अजय सिंह गुसाई पुत्र भगवान सिंह गुसाई उम्र 21 वर्ष निवासी आठली गांव ,उत्तरकाशी के शव को बरामद कर जिला पुलिस के सुपुर्द किया गया।

मारपीट में चार नामजद

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नामदेव कालोनी माजरा निवासी अफसर खां ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपने भाई व चाचा के साथ बाजार से आ रहा था जब वह हरिद्वार बाईपास पर पहुचे तभी आमिर, दानिश, आसिफ व दीनू ने अपने कुछ साथियों के साथ उनका रास्ता रोककर उनके साथ गाली गलौच शुरू कर दी। उन्होंने जब उनका विरोध किया तो उन्होंने उनको मारना पीटना शुरू कर दिया। उन्होंने किसी तरह वहां से भागकर अपनी जान बचायी तो उक्त लोगों ने उनको जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

उत्तराखंड सरकार में पंजाबी विधायकों को प्रतिनिधित्व देने की मांग

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड पंजाबी महासभा ने प्रदेश सरकार में पंजाबी विधायकों को मत्रीमण्डल में स्थान देने की मांग की।

आज यहां उत्तराचल पंजाबी महासभा की आम बैठक में नई बनने वाली सरकार में पंजाबी समाज की अहं भूमिका होने के कारण समाज यह मांग करता है कि पंजाबी समाज के चुने गये विधायकों को मन्त्रीमण्डल में प्रतिनिधित्व दिया जाये। उत्तराचल पंजाबी महासभा ने प्रदेश में जीते पंजाबी विधायकों शिव अरोरा, तिलक राज बेहड़, सरदार त्रिलोक सिंह चीमा, श्रीमति सविता कपूर, प्रदीप बत्तरा एवं उमेश शर्मा काऊ को उनकी शानदार जीत पर बधाई दी एवं आशा व्यक्त की कि समाज हित में बढ़ चढ़ कर सेवा कार्य करेंगे।

प्रदेश अध्यक्ष राजीव घई ने कहा कि उत्तराखंड की जनता ने इस चुनाव के माध्यम से स्पष्ट संदेश दिया है कि केंद्र

की नीतियों का धरातल तक बिना किसी स्वार्थ के पहुँचाना प्रदेश की जनता की प्राथमिकता है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिये गये मार्गदर्शन सब का साथ सब का विश्वाश सब का विकास का स्पष्ट संदेश दिया गया है। हम सब की नजरे नये मन्त्रीमंडल पर लगी है कि पंजाबी समाज को उचित सम्मान मिले क्यूंकि समाज ने पांच सीटें जीत कर एवं अन्य सीटों पर भी भाजपा को जीताने का काम किया है। समाज को पूर्ण विश्वाश है कि इस बार मन्त्रीमंडल में कुमाऊं एवं गढ़वाल के पंजाबी विधायकों को सरकार में प्रतिनिधित्व देकर समाज को सम्मान मिलेगा जिसके लिये समाज आभारी रहेगा। इस अवसर पर सरपरस्त एस पी कोचर, डी एस मान, हरपाल सिंह सेठी, मोहन सिंह खालसा, प्रदेश संगठन मंत्री व गढ़वाल प्रभारी जी एस आनन्द, जिला प्रभारी बलदेव जायसवाल महानगर अध्यक्ष अमरजीत सिंह कुकरेजा, गुरपाल सिंह व गुरमीत सिंह जैसवाल युवा मोर्चा अध्यक्ष एवं बबीता सहोत्रा आनन्द आदि उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना का आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पौड़ी। सड़क दुर्घटना मामले में मृतक के परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने आरोपी चालक को

गिरफ्तार कर लिया गया है। जानकारी के अनुसार बीती 17 मार्च को चुठाणी बैण्ड के पास एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। जिसमें रोहित कुमार नामक युवक की मौत हो गयी थी। दुर्घटना के बाद चालक फरार होने में कामयाब रहा। जिसे पुलिस ने मृतक रोहित कुमार के परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज करते हुए बीती रात तरपालीसैण रोड बनास बैण्ड से गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसने पूछताछ में अपना नाम गजराज पंवार पुत्र हुकुम सिंह निवासी टिहरी गढ़वाल बताया। जिसे पुलिस ने न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

अलकनंदा नदी में डूबे दूसरे युवक का शव भी मिला

देहरादून (सं)। अलकनंदा नदी में डुबे दूसरे युवक का शव भी एसडीआरएफ ने बरामद कर पुलिस के हवाले किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गत दिवस थाना श्रीनगर द्वारा एसडीआरएफ टीम को अवगत कराया गया था कि चौरास पुल (श्रीकोट) में दो युवक नदी में नहाते समय बह गए हैं। उपरोक्त सूचना प्राप्त होने पर एसडीआरएफ रेस्क्यू टीम पोस्ट श्रीनगर व एसडीआरएफ डीप डाइविंग टीम पोस्ट ढालवाला द्वारा घटनास्थल पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा था। सर्चिंग के दौरान कल दोपहर एक युवक नाम अंकित चौधरी उम्र 19 वर्ष निवासी राजस्थान का शव बरामद कर जिला पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया था व दूसरे की तलाश में सर्चिंग की जा रही थी। आज एसडीआरएफ टीम द्वारा पुनः सर्चिंग की गई। इस दौरान एसडीआरएफ डीप डाइविंग टीम के डीप डाइवर लक्ष्मण सिंह द्वारा लगभग २० से ३० फीट गहराई में जाकर दूसरे लड़के हरिओम निवासी भरतपुर, राजस्थान का शव बरामद कर जिला पुलिस के सुपुर्द किया गया। गौरतलब है कि उक्त युवक चौरास पुल श्रीकोट, अलकनंदा नदी के किनारे नहाने गये हुए थे, अचानक अलकनंदा नदी का जलस्तर बढ़ जाने के कारण उक्त युवक नदी के बहाव के साथ बह गए थे।

प्रियंका गैरोला ने किया प्रदेश का नाम रोशन

संवाददाता

देहरादून। गेट परिक्षा में प्रियंका गैरोला ने 970 अंक प्राप्त कर ऑल इण्डिया में प्रथम स्थान प्राप्त कर प्रदेश का नाम रोशन किया। आज यहां उत्तराखंड की एक और बेटी प्रियंका गैरोला ने प्रदेश का नाम रोशन करते हुए गेट परीक्षा में 972 अंकों के साथ ऑल इंडिया रैंक में पहला स्थान प्राप्त किया है। बल्लूपुर के आकाशदीप कॉलोनी निवासी प्रियंका गैरोला कहतीं है कि एनईटी-जेआरएफ में भी उनकी टॉप रैंक हो सकती है। उन्होंने अपने इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता को दिया। प्रियंका ने कहा कि इसके बाद वह अब आईआईटी के लिए आवेदन करेंगी और दर्शनशास्त्र के

माध्यम से वह अपने उत्तराखंड की जनजातीय संस्कृति के विकास के लिए कार्य करना चाहेंगी। प्रियंका ने गेट परीक्षा में ह्यूमेनिटी एंड सोशल साइंस (दर्शनशास्त्र) विषय में ऑल इंडिया रैंक में प्रथम रैंक हासिल किया है। जिसमे 972 अंकों के साथ 73.0 प्रतिशत अंक मिले हैं।

प्रियंका ने फरवरी में हुई गेट की परीक्षा में जेईएन में 50.7, ओबीसी में 45.6और एस/एसटी में 33.8 अंक प्राप्त किए हैं। प्रियंका ने बताया कि उन्होंने 2021 में मुंबई यूनिवर्सिटी से दर्शनशास्त्र में मास्टर डिग्री प्राप्त की और उसके बाद वह गेट की तैयारियों में लगी रही। प्रियंका ने कहा कि उत्तराखंड में दर्शनशास्त्र के लिए अभी भी कॉलेजों में उस स्तर के स्कोप नहीं है, जिस स्तर के होने चाहिए। इसलिए दर्शनशास्त्र के छात्रों को बड़े शहरों की और पलायन करना पड़ रहा है। इसलिए उन्होंने साइंस (दर्शनशास्त्र) विषय में ऑल इंडिया रैंक में प्रथम रैंक हासिल की है।

कोरोना से डरे नहीं सतर्क रहें, सुरक्षित रहें

एक नजर

'आप' के 10 विधायकों ने ली मंत्री पद की शपथ

चंड़ीगढ़ । पंजाब में भगवंत मान के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद आज आम आदमी पार्टी के १० विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। सबसे पहले आम आदमी पार्टी के विधायक हरपाल सिंह चीमा ने राजभवन में पंजाब कैबिनेट मंत्री की शपथ ग्रहण की। इसके बाद आप के विधायक डॉ. बलजीत कौर, हरभजन सिंह,डॉ. विजय सिंगला और लाल चंद ने भी कैबिनेट मंत्री की शपथ ग्रहण की। विधायक हरजोत सिंह बैंस, गुरमीत सिंह मीत हेयर और कुलदीप सिंह धालीवाल को भी राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित ने कैबिनेट मंत्री की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री भगवंत मान और पार्टी के शीर्ष नेताओं के बीच कई चर्चाओं के बाद कैबिनेट मंत्रियों के नामों को अंतिम रूप दिया गया है। ये मंत्री आज आप सरकार की पहली बैठक में हिस्सा लेंगे। कैबिनेट में शामिल होने वाले १० विधायकों में डॉक्टर बलजीत कौर एकमात्र महिला विधायक रहीं जिन्होंने मंत्री पद की शपथ ली। शपथ लेने से पहले बलजीत कौर ने कहा कि मैं पंजाब के लोगों और पार्टी आलाकमान को धन्यवाद देती हूं। यह आप की अच्छी मानसिकता है कि उन्होंने एक महिला को कैबिनेट में शामिल किया है। मैं अपने सभी कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करूंगी। नवनिर्वाचित सभी दस विधायकों ने पंजाब राजभवन के नए ऑडिटोरियम में मंत्रिपद की शपथ दिलाई गई।

यात्रियों से भरी बस पलटी, हादसे में आठ की मौत

बेंगलुरु। कर्नाटक के तुमकुर जिले में शनिवार सुबह हुए एक भीषण हादसे में एक निजी बस के पलट जाने के कारण कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई जबकि २० से अधिक लोग घायल हो गए। रिपोर्ट के अनुसार, एक वीडियो में बस को उसके अंदर फंसे कुछ यात्रियों के साथ पलटते हुए देखा जा सकता है। पुलिस ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि चालक द्वारा वाहन पर से नियंत्रण खो देने के बाद ६० यात्रियों को ले जा रही बस पलट गई। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, दुर्घटना स्थल पर फायर ब्रिगेड की गाड़िया पहुंच चुकी हैं और राहत एवं मदद का काम चल रहा है।

विवेक अग्निहोत्री को सरकार ने दिया 'वाई' कैटेगरी की सुरक्षा

मुंबई। बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में इस वक्त एक ही फिल्म है जो देश के साथ पूरी दुनिया में धमाका मचाए हुए है। वो है विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द कश्मीर फाइल्स जो १९९० में कश्मीरी हिंदुओं के खिलाफ घाटी में हुए अत्याचारों को दिखाया गया है। विवेक अग्निहोत्री के नाम को फतवा जारी हुई था। जिसे देखते हुए भारत सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए अग्निहोत्री को वाई कैटेगरी की सुरक्षा प्रदान कर दी है। उनकी सुरक्षा में सीआरपीएफ के जवान तैनात रहेंगे। द कश्मीर फाइल्स बनने में कई चौलेंजज आए। विवेक अग्निहोत्री की पत्नी पल्लवी जोशी भी इस फिल्म का छोटा सा हिस्सा थी। उनका कहना है कि, शूटिंग में बस एक दिक्कत आई थी कि जब हम कश्मीर में शूट कर रहे थे तो हमारे नाम पर फतवा जारी हो गया था। अच्छी बात ये है कि तब हमारा लास्ट सीन शूट होने था। उन्होंने कहा कि, मैंने विवेक से कहा कि फटाफट सीन खत्म करके एयरपोर्ट चलो। हम जा ही रहे थे पर मैंने उनसे कहा कि कुछ मत कहना बस शूटिंग खत्म करो। क्योंकि, हमें दोबारा आने का मौका नहीं मिलता। हमने शूट खत्म किया और कुछ लोगों को होटल भेजकर कहा, तुम लोग सामान पैक करो और सीधे सेट्स पर आओ और हम यहां से निकलेंगे। शूटिंग के दौरन बस यही चौलेंज हमने फेस किया। कमाई की बात करें तों, फिल्म को रिलीज हुए एक हफ्ते हो चुके हैं और बॉक्स ऑफिस कलेक्शन में लगातार उछाल आते जा रहा है। फिल्म अब १०० करोड़ के क्लब में शामिल हो चुकी है।

उपराष्ट्रपति ने शांतिकुंज में दक्षिण- एशियाई देश शांति व सुलह संस्थान का उद्घाटन किया

संवाददाता

हरिद्वार। उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू आज तीर्थनगरी हरिद्वार दौरे पर शांतिकुंज पहुंचे। उपराष्ट्रपति ने इस मौके पर शांतिकुंज में दक्षिण एशियाई देश शांति एवं सुलह संस्थान का उद्घाटन किया।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि इस संस्थान के निर्माण का उद्देश्य दक्षिण एशियाई देशों के बीच आपसी सद्भाव, समन्वय में और बेहतर संबंध स्थापित बनाए रखना है। उपराष्ट्रपति सुबह विशेष विमान से जौलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचे। यहां पहुंचने पर राज्यपाल और कार्यवाहक सीएम पुष्कर सिंह धामी ने उप राष्ट्रपति वेंकैया नायडू का स्वागत किया। इसके बाद वह सड़क मार्ग से देव संस्कृति विश्वविद्यालय शांतिकुंज पहुंचे जहां आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की। साथ ही गायत्री तीर्थ शांतिकुंज में दक्षिण एशियाई देश शांति एवं सुलह संस्थान का उद्घाटन किया। उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू विश्वविद्यालय की ओर से चलाए जा रहे अनेक कार्यक्रमों का अवलोकन किया।

इस मौके पर उपराष्ट्रपति ने मातृ भाषा को प्रोत्साहित करने पर जोर देते हुए प्राथमिक शिक्षा और सरकारी कामकाज के अलावा न्यायपालिका के कामकाज में भी मातृ भाषा के प्रयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संस्कृत सभी भाषाओं की जननी है। इसका प्रचार–प्रसार होना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कहा कि योग धर्म, जाति और राष्ट्रीयता से ऊपर उठकर है। यह मानवीय दर्शन है जो जीवन को अधिक संतुलित बनाता है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि समाज के सभी वर्गों को शिक्षा से जोड़ना होगा। शिक्षा का भारतीयकरण ही नई शिक्षा नीति का उद्देश्य रहा है। उन्होंने कहा कि मैकाले शिक्षा पद्धति को छोड़ हमें अपने बच्चों को गुलामी की मानसिकता से दूर भारतीय संस्कृति और परंपरा से अवगत कराना होगा, तभी उनका भविष्य उज्ज्वल होगा।

उन्होंने उदाहरण देते कहा कि भारत के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, मुख्य न्यायाधीश से लेकर प्रधानमंत्री मातृ भाषा में ही शिक्षा ग्रहण कर देश के सर्वोच्च पदों पर आसीन है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि विविधता में एकता भारत की विशेषता रही है। इसके पहले उपराष्ट्रपति ने प्रज्ञेश्वर महाकाल में जलाभिषेक किया और परिसर में रुद्राक्ष का पौधा भी रोपा। पूजन के बाद शौर्य दीवार पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम में राज्यपाल मेजर जनरल गुरमीत सिंह, शांतिकुंज प्रमुख डा. प्रणव पाण्ड्या, डा. चिन्मय पाण्ड्या समेत अनेक गणमान्य लोगों ने शिरकत की।

जमीन के नाम पर लाखों की धोखाधडी

संवाददाता

देहरादून। जमीन के नाम पर लाखों की धोखाधडी करने पर पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शक्तिखण्ड इन्दरापुरम गाजियाबाद निवासी मुकेश शर्मा ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पहचान राजपुर निवासी उमांकांत शुक्ला व संदीप लाठर के साथ हुई। दोनों ने उसको एक जमीन दिखायी तथा उसका एग्रीमेंट कर उससे 15 लाख रूपये ले लिये। जिसके बाद उन्होंने जमीन की रजिस्ट्री नहीं करायी जब वह रजिस्ट्री करने के लिए कहता तो दोनों टाल देते। उसको बाद में पता चला कि दोनों ने उसके साथ हुए अनुबंध पत्र को भी निरस्त करा दिया है तथा उसके पैसे भी वापस नहीं लौटा रहे हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बिना अनुमति के किया कार्यक्रम का आयोजन, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। पुलिस की बगैर अनुमति के कार्यक्रम आयोजित कर उसमें शराब परोसने पर दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राजपुर थाना पुलिस ने रेसकोर्स कालोनी निवासी सागर वालिया पुत्र सतपाल व राजपुर निवासी गौरव सारन पुत्र अनिल सारन के खिलाफ पुलिस की बगैर अनुमति के साई मन्दिर के पास कार्यक्रम का आयोजन करने व कार्यक्रम में अवैध रूप से शराब परोसने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भ्रष्टाचार के आरोप में दो वन दरोगा निलंबित

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। भ्रष्टाचार के आरोप में हरिद्वार वन प्रभाग के दो वन दारोगाओं को तत्काल प्रभाव से निर्लंबित कर दिया गया है। इनमें से एक वन दारोगा पर अवैध कटान मामले में रिश्वतखोरी व दूसरे पर पकड़ा गया ट्रैक्टर छोड़ने हेतू रूपये लेने का आरोप है।

वन संरक्षक शिवालिक धीरज पांडे की ओर से जारी वन दारोगा आशुतोष के निलंबन आदेश में कहा गया है कि पेड़ों के अवैध कटान को वैध करने के लिए उन्होंने एक व्यक्ति से रिश्वत मांगी गयी थी और उनका एक और मामले में पैसे मांगने का ऑडियो भी वायरल हुआ था। दोनों ही मामलों की शिकायत की जांच की गयी तो प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए गये। इस आधार पर उन्होंने निलंबन आदेश जारी किया है।

वहीं दूसरे मामले में वन दारोगा नंद किशोर पांडे पर वन विभाग द्वारा पकड़ा गया ट्रैक्टर छोड़ने के बदले पैसे मांगने का आरोप है। उनके खिलाफ भी आरोप प्रथमदृष्टया सही पाए गए है। इन सभी बातों के चलते वन संरक्षक शिवालिक धीरज पांडे ने उनका भी तत्काल प्रभाव से निलंबन कर दिया गया है।

फरार चल रहा वारंटी गिरफ्तार

पौड़ी गढ़वाल (हसं)। न्यायालय में लम्बित मुकदमें में फरार चल रहे एक आरोपी को पुलिस ने कल देर शाम गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार बीते दिनों थाना सतपुली पुलिस को न्यायालय द्वारा वारंट भेजकर अवगत कराया गया कि एक मुकदमें में आरोपी न्यायालय में पेश नहीं हो रहा है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए थाना सतपुली पुलिस द्वारा वांरटी मनोज कुकरेती उर्फ मनी निवासी कुकरेती बैण्ड सतपुली की तलाश शुरू कर दी गयी। जिसे पुलिस द्वारा आज सुबह बस अड्डा सतपुली के पास से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया गया है।

नेतृत्व व सरकार गठन पर..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

मुख्यमंत्री पद के लिए दावेदारों की लंबी कतार लग चुकी है उसने केंद्रीय नेतृत्व की मुश्किलें बढ़ा दी है। भले ही भाजपा को मजबूत सरकार का जनादेश मिला हो लेकिन सीएम चाहे कोई भी बने अन्य दावेदारों का असंतुष्ट होना तय है चाहे उसे वह जाहिर करें न करें।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।